RNI/MPHIN/58453/2014

दैनिक हैलो डे

वर्ष-12, अंक-52
इन्दौर, बुधवार 07 जनवरी 2026
पृष्ठ-8, मूल्य-3 रुपए

इंदौर में पानी के 60 में से 35 सैंपल फेल

बोरिंग के पानी में हैजा वाला बैक्टीरिया

इन्दौर (नप्र)। इंदौर के भागीरथपुरा में बोरिंग के पानी में फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया मिला है। यह हैजा, टाइफॉइड और हेपेटाइटिस-ए जैसी बीमारियों की वजह बन सकता है। यहां से लिए गए पानी के 60 में से 35 सैंपल फेल हो गए हैं। वार्ड के बीजेपी पार्षद कमल वाघेला का बोरिंग भी दूषित पाया गया है।

भागीरथपुरा में दूषित पानी से 20 लोगों की मौत हो चुकी है। 9 मरीज अब भी आईसीयू में भर्ती हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पूरे मामले में अस्पताल में भर्ती हुए मरीजों की कुल संख्या 437 है। बुधवार रात तक की स्थिति में इनमें से 381 मरीजों को डिस्चार्ज किया जा चुका है। यानी फिलहाल 56 मरीज भर्ती हैं। इधर, बुधवार को भागीरथपुरा चौकी के पास बनी टंकी का वॉल खोला गया। इस दौरान सभी हैरान रह गए। दरअसल, दो दिन पहले जहां ड्रेनेज लाइन का पाइप डाला गया था, वहीं से पानी बाहर आने लगा। कुछ ही देर में ड्रेनेज लाइन के लिए खोदे गए गड्ढे में भी पानी भर गया। हालांकि, नर्मदा लाइन से आ रहे पानी के इस्तेमाल को लेकर पहले ही क्षेत्र में मुनादी कराई जा चुकी थी। लोगों को साफ तौर पर इस पानी का उपयोग न करने के निर्देश दिए गए हैं। यह प्रक्रिया आगे भी कुछ समय तक जारी रहेगी, जिससे नर्मदा लाइन से दूषित पानी पूरी तरह बाहर निकाला जा सके। दूसरी ओर, इलाके में दूषित पानी का खौफ इतना है कि यहां लोग पानी को छानकर और उबालकर पी रहे हैं। लगातार समझाइश भी दी जा रही है कि पीने का पानी उबालकर ही इस्तेमाल करें।

इलाके के लोग टैंकर के पानी पर निर्भर

भागीरथपुरा में इतनी मौतों के बाद लोगों ने बोरिंग का यूज बंद कर दिया है। रहवासी टैंकरों और आरओ के पानी पर निर्भर हैं। बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 18 मरीज डायरिया की शिकायत लेकर पहुंचे थे। इनमें से 6 को रेफर किया है।

रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर कसेगा शिकंजा

500% टैरिफ की तैयारी में ट्रंप !

वाशिंगटन (एजेंसी)। यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका ने अब आर्थिक मोर्चे पर बड़ा हमला करने की तैयारी कर ली है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने वाले विधेयक के समर्थन में खुलकर सामने आ गए हैं। इस कदम से भारत समेत कई देशों पर सीधा दबाव बढ़ना तय माना जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत तक भारी टैरिफ लगाने वाले विधेयक का समर्थन किया है। इस प्रस्ताव का उद्देश्य उन देशों पर सख्त आर्थिक दबाव बनाना है, जो सस्ते रूसी तेल की खरीद के जरिए यूक्रेन में जारी युद्ध के लिए रूस की मदद कर रहे हैं। अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने बताया कि यह द्विदलीय विधेयक राष्ट्रपति ट्रंप को चीन, भारत और ब्राजील जैसे देशों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का अधिकार देगा। ग्राहम के अनुसार, यह विधेयक रूस पर प्रतिबंधों को और प्रभावी बनाने का सबसे मजबूत साधन साबित हो सकता है। हम ने कहा कि यूक्रेन शांति के लिए रियायतें दे रहा है।

TMC आईटी सेल इंचार्ज के घर-ऑफिस पर ED के छापे

कोलकाता (एजेंसी)। इन्फोर्समेंट डायरेक्टरेट (ED) ने गुरुवार को कोलकाता में पॉलिटिकल कंसलटेंट फर्म I-PAC के ऑफिस और उसके डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर पर छापेमारी की। प्रतीक जैन ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी के आईटी सेल के हेड भी हैं। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में की जा रही है। सीएम ममता बनर्जी को जैसे ही इसकी जानकारी मिली, वे प्रतीक जैन के घर पर पहुंच गईं। उन्होंने कहा, क्या ईडी और अमित शाह का काम पार्टी की हार्ड डिस्क और उम्मीदवारों की सूची जब्त करना है? यह एक घटिया और शरारती गृह मंत्री है, जो देश की सुरक्षा नहीं कर पा रहा है।

सरकार ने वस्त्र उद्योग को रोजगारपरक औद्योगिक विकास में दी सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का वस्त्र उद्योग विरासत का संरक्षण करते हुए विकास की ओर बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों में हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट को लेकर महत्वपूर्ण कार्य हो रहे हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने वस्त्र उद्योग को रोजगारपरक औद्योगिक विकास में सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। केंद्र सरकार की ओर से मध्यप्रदेश को औद्योगिक और निवेश की दृष्टि से उल्लेखनीय सहयोग मिला है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने जन्मदिवस पर मध्यप्रदेश के धार में देश के पहले पीएम मित्र पार्क का भूमिपूजन किया। यहां टेक्सटाइल पार्क और उद्योगों का एक साथ लोकार्पण किया जाएगा। यह पार्क भारत को सशक्त बनाने के संकल्प की पूर्ति भी करेगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में भारत आर्थिक रूप से तीसरी सबसे बड़ी शक्ति बनने के ओर अग्रसर है। मां कामाख्या की धरती असम से आज देश के वस्त्र उद्योग को नई दिशा प्राप्त होगी। सभी राज्यों में वस्त्र उद्योग को आगे बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को गुवाहाटी में आयोजित वस्त्र मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। भारत का वस्त्र उद्योग- विकास, विरासत और नवाचार का ताना-बाना की थीम पर आयोजित इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संस्कृति, संस्कार, संसाधन और विरासत की दृष्टि से मध्यप्रदेश, टेक्सटाइल सहित अनेक उद्योगों में देश में अग्रणी है। राज्य सरकार द्वारा औद्योगिक गतिविधियां और निवेश

बढ़ाने के लिए विभिन्न नवाचार किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत संभाग और जिला स्तर पर भी रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से उज्जैन, रीवा, कटनी, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर सहित कई जिलों में औद्योगिक विकास से जुड़ी गतिविधियों का विस्तार हुआ है। प्रदेश में लोकमाता देवी अहिल्याबाई के काल से महेश्वरी, चंदेरी साड़ी जैसे सिल्क को प्रोत्साहित करने की परंपरा है। राज्य सरकार ने नर्मदापुरम के हाईक्वालिटी मलबरी रेशम और ऑर्गेनिक कपास का उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रयास किए हैं। मध्यप्रदेश में हम टेक्सटाइल मिल, लूम हैंडलूम और स्पिंडल्स से बड़ी संख्या में महिलाओं को जोड़कर आत्म निर्भर बनाया जा रहा है। मध्यप्रदेश ऑर्गेनिक कॉटन, मेनमेड फाइबर, टेक्नीकल टेक्सटाइल सेक्टर में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश के खरगोन, बुधनी सहित जनजातीय बहुल इलाकों में टेक्सटाइल सेक्टर को बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। प्रदेश में डेढ़ दशक से चल रही टेक्सटाइल सेक्टर की वैल्यू चेन में राज्य सरकार ने 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक निवेश कराया है। भविष्य में इससे लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा। वर्ष 2026 में मध्यप्रदेश नए संकल्पों के साथ विकास की उड़ान भरने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगामी जुलाई 2026 में भारत सरकार द्वारा आयोजित होने वाले राष्ट्रीय वस्त्र सम्मेलन में मध्यप्रदेश सरकार पार्टनर बनने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन वस्त्र उद्योग का केंद्र रहा है, उन्होंने केंद्रीय वस्त्र मंत्री को अगला सम्मेलन बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में करने के लिए आग्रह किया। केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा प्रदेश में वस्त्रोद्योग के क्षेत्र में की जा रही पहल के लिए सराहना की। धार में बन रहे देश के पहले पीएम मित्रा पार्क के निर्माण में तेजी से हो रहे कार्य के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रतिभागियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिवादन किया। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आने से वस्त्र मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन में चार चांद लग गए हैं।

संपादकीय

वेनेजुएला पर ट्रंप की सख्ती- नया वैश्विक टकराव

वेनेजुएला को लेकर डोनाल्ड ट्रंप की हालिया आक्रामक कार्रवाई ने एक बार फिर वैश्विक राजनीति एवं सामरिक तनाव को तेज कर दिया है। प्रतिबंधों को सख्ती से लागू करना, समुद्री मार्गों पर निगरानी बढ़ाना और कथित तौर पर रूस से जुड़े जहाज की जप्ती जैसे कदम केवल वेनेजुएला तक सीमित नहीं हैं। इनके दूरगामी अंतरराष्ट्रीय प्रभाव जल्द ही देखने को मिल सकते हैं। यह घटनाक्रम स्पष्ट संकेत देता है, अमेरिका, लैटिन अमेरिका क्षेत्र में अपने वर्चस्व को आर्थिक एवं सामरिक दृष्टिकोण अपनाते हुए ट्रम्प कब्जा करना चाहते हैं। भले ही इसके लिए रूस और चीन के साथ सीधा टकराव लेने की ट्रंप की सोच है। अमेरिका और वैश्विक स्तर पर आर्थिक मंदी और अर्थव्यवस्था पर जो संकट देखने को मिल रहे हैं उसके बाद यह कहने में कोई संकोच नहीं हो रहा है, आने वाले दिनों में अमेरिका अपनी डॉलर मुद्रा तथा वैश्विक व्यापार के वर्चस्वको बनाए रखना चाहता है। उसके लिए ट्रंप अंतिम लड़ाई लड़ रहे हैं। ट्रम्प ने टेरिफ के बहाने जो नया खेल खेला था। उसमें वह असफल हो गए है। अमेरिका में मंहगाई और आर्थिक स्थिति पर इसके दुष्परिणाम दिखने लगे है। इससे बचने के लिये अब ट्रम्प ने वेनेजुएला का मुद्दा खड़ा करके अमेरिका में अपनी स्थिति को मजबूत करना चाहते है? वेनेजुएला लंबे समय से रूस और चीन का रणनीतिक साझेदार है। रूस ने वहां ऊर्जा, हथियार और सैन्य सहयोग किया है। जबकि चीन ने कर्ज, बुनियादी ढांचा और तेल समझौतों के जरिए अपनी गहरी पैठ बनाई है। रूस और चीन के हथियार भी वेनेजुएला में है। ऐसे में किसी रूसी जहाज की जप्ति केवल एक कानूनी या तकनीकी कार्रवाई के रूप में नहीं देखी जा सकती है। इस कार्रवाई को रूस के प्रभाव को खुली चुनौती के रूप में ही देखा जाएगा। मॉस्को ट्रंप की इस कार्रवाई को अपनी संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय व्यापार स्वतंत्रता पर हमला बताकर कूटनीतिक विरोध, जवाबी प्रतिबंध या समुद्री सुरक्षा को बढ़ाने जैसे कदम उठा सकता है। हालांकि रूस सीधे सैन्य टकराव से बचता हुआ दिख रहा है। समय आने पर इसकी प्रतिक्रिया बड़े रूप में हो सकती है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। दुनिया के देशों में अमेरिका, विरोधी मंचों पर इस मुद्दे का जोर-शोर से उठना तय है। चीन का रुख अपेक्षाकृत संतुलित होते हुए भी व्यापारिक दृष्टिकोण से दीर्घकालिक होगा।

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, माघ कृष्ण पक्ष, हेमंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रास्त पूर्वे तिथि षष्ठी, शुक्रवार, उ.फा. नक्षत्रे, शोभन योगे, ववकरणे, कन्या की चंद्रमा, भद्रा 8/31 रवियोग 25/3, जातकर्म, नामाकरण अन्नप्रासन, लघु वृक्षारोपण व्यापार मुर्हूत तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ होगी7

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक जिद्दी-हठी, कमीशन, एजेन्ट, दलाल कमीशन वाला, ब्याज से रुपया देने वाला, ठेकेदार तथा नेता, मुखिया, पंची प्रपंची तथा रिंगमास्टर, धनी-मानीह होगा।

मेष राशि :- कुटुम्ब में अशांति, क्लेश व अशांति, धन का व्यर्थ व्यय होगा, पीड़ा अवश्य होगी।

वृष राशि :- इष्ट मित्रों से सुख, अधिकारियों से मेल-मिलाप होगा तथा व्यापार में लाभप्रद स्थिति रहेगी।

मिथुन राशि :- अर्थ व्यवस्था अनुकूल होगी, सफलता के साधन जुटायेंगे, रुके कार्य बन जायेंगे।

कर्क राशि :- मनोवृत्ति उदार बनाये रखें, तनाव, क्लेश व अशांति की स्थिति बनेगी ध्यान रखें।

सिंह राशि :- समय नष्ट होगा, व्यवसायिक गति मंद होगी, असमंजस की स्थिति से बचिये।

कन्या राशि :- आर्थिक योजना सफल होगी, व्यवसायिक क्षमता अनुकूल होगी।

तुला राशि :- धन का व्यय, आलस्य से हानि संभव है, कार्य अवश्य बनेंगे ध्यान दें।

वृश्चिक राशि :- स्त्री वर्ग से क्लेश व अशांति तथा विघटनकारी तत्व परेशान अवश्य करेंगे।

धनु राशि :- कुटुम्ब की समस्यायें सुलझेंगी, धन का व्यर्थ व्यय होगा, व्यर्थ भ्रमण होगा।

मकर राशि:- अर्थ-व्यवस्था छिन्न-भिन्न होगी, कार्य व्यवसाय गति मध्यम होगी।

कुंभ राशि :- दैनिक कार्यगति में सुधार, चिन्तायें कम होंगी तथा सफलता अवश्य मिलेगी।

मीन राशि :- मनोबल उत्साहवर्धक होगा, कार्यगति अनुकूल बनी रहेगी ध्यान दें।

मातृभूमि से दूर बसे अपनों से भारत का सजीव संवाद

भारत केवल एक भूगोल नहीं, बल्कि भावनाओं, संस्कारों और साझा स्मृतियों की निरंतर धारा है। यह धारा देश की सीमाओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि समय के साथ समुद्रों, महाद्वीपों और संस्कृतियों को पार करती हुई विश्व के कोने-कोने तक पहुँची। इसी वैश्विक विस्तार का मानवीय रूप है प्रवासी भारतीय समुदाय। इन्हीं प्रवासी भारतीयों के योगदान, संघर्ष, उपलब्धियों और भारत से उनके अटूट रिश्ते को सम्मान देने के लिए हर वर्ष नौ जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाता है। वर्ष दो हजार पंद्रह के बाद से यह आयोजन हर दो वर्ष में एक बार बड़े सम्मेलन के रूप में आयोजित किया जाने लगा है, लेकिन दिवस के रूप में इसका प्रतीकात्मक महत्व निरंतर बना हुआ है।

नौ जनवरी की तिथि का अपना ऐतिहासिक और भावनात्मक महत्व है। इसी दिन वर्ष उन्नीस सौ पंद्रह में महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे थे। विदेश की धरती पर रहते हुए उन्होंने सत्य और अहिंसा के प्रयोग किए, रंगभेद के विरुद्ध संघर्ष किया और वहीं से एक ऐसे नेतृत्व का निर्माण हुआ, जिसने आगे चलकर भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। गांधीजी का यह लौटना केवल एक व्यक्ति की वापसी नहीं थी, बल्कि यह संदेश था कि विदेश में अर्जित अनुभव, ज्ञान और संघर्ष की ऊर्जा मातृभूमि के उत्थान में कितनी निर्णायक भूमिका निभा सकती है। प्रवासी भारतीय दिवस इसी विचार का आधुनिक विस्तार है।

प्रवासी भारतीय दिवस का मूल उद्देश्य भारत और विदेशों में बसे भारतीय मूल के लोगों के बीच सेतु बनाना है। यह एक ऐसा मंच है जहाँ भावनात्मक जुड़ाव के साथ-साथ विचारों का आदान-प्रदान होता है। प्रवासी भारतीय अपने अनुभव साझा करते हैं, भारत की विकास यात्रा में सहभागी बनने के नए रास्ते तलाशते हैं और भारत सरकार भी उनकी अपेक्षाओं, समस्याओं तथा सुझावों को प्रत्यक्ष रूप से सुनती है। यह आयोजन यह स्पष्ट करता है कि भारत अपने नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों को केवल पासपोर्ट या निवास की परिभाषा में नहीं बाँधता, बल्कि उन्हें अपनी व्यापक राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा मानता है।

वर्ष दो हजार तीन में इस सम्मेलन की औपचारिक शुरुआत हुई थी। उस समय यह महसूस किया गया कि विश्व भर में फैले भारतीय समुदाय ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, शिक्षा, उद्योग, व्यापार, कला और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। इन उपलब्धियों का लाभ केवल संबंधित देशों तक सीमित न रहे, बल्कि भारत की प्रगति में भी उनका समुचित योगदान सुनिश्चित हो। तभी से प्रवासी भारतीय दिवस एक संवाद, सम्मान और सहभागिता का उत्सव बन गया।

हाल के वर्षों में इस आयोजन का स्वरूप और अधिक व्यापक हुआ है। दो हजार पच्चीस में आयोजित अठारहवें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में 'विकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदान' विषय विशेष रूप से प्रासंगिक रहा। यह विषय इस बात को रेखांकित करता है कि आने वाले वर्षों में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की परिकल्पना में प्रवासी भारतीयों की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। निवेश, नवाचार, कौशल, वैश्विक संपर्क और सांस्कृतिक कूटनीति के माध्यम से प्रवासी भारतीय भारत के विकास लक्ष्य को गति दे सकते हैं।

इस सम्मेलन के दौरान विशेष पर्यटक रेल सेवा का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य प्रवासी भारतीयों को भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत से प्रत्यक्ष रूप से जोड़ना है। इसके साथ ही ऐतिहासिक दस्तावेजों और प्रदर्शनों के माध्यम से उन भारतीयों की यात्रा को भी सामने लाया गया, जो कभी गुजरात के तटों से निकलकर ओमान, अफ्रीका और अन्य देशों में बसे। यह इतिहास केवल पलायन की कहानी नहीं है, बल्कि साहस, परिश्रम और अनुकूलन की प्रेरक गाथा है।

प्रवासी भारतीय दिवस के विमर्श में गिरमिटिया मजदूरों का स्मरण विशेष महत्व रखता है। औपनिवेशिक काल में हजारों भारतीयों को अनुबंधित मजदूर के रूप में फिजी, मॉरीशस, त्रिनिदाद और टोबैगो जैसे देशों में ले जाया गया। कठिन परिस्थितियों, शोषण और अपमान के बावजूद उन्होंने अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखा। आज उन्हीं के वंशज उन देशों के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनका स्मरण हमें यह सिखाता है कि भारतीय पहचान कितनी दृढ़ और जीवंत है।

प्रवासी भारतीय दिवस का एक महत्वपूर्ण पक्ष है प्रवासी भारतीय सम्मान। यह सम्मान उन व्यक्तियों और संस्थाओं को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने विदेशों में रहते हुए भारत की छवि को सशक्त किया, स्थानीय भारतीय समुदाय के कल्याण के लिए कार्य किया और भारत तथा अपने निवास देश के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को मजबूत बनाया। यह सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि का नहीं, बल्कि सामूहिक गौरव का प्रतीक है।

इस आयोजन की उपयोगिता अनेक स्तरों पर दिखाई देती है। आर्थिक दृष्टि से देखें तो प्रवासी भारतीय निवेश, प्रेषण और व्यापार के माध्यम से भारत की अर्थव्यवस्था को सशक्त करते हैं। विदेशों से आने वाला धन केवल परिवारों की आजीविका ही नहीं सुधारता, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्यमिता को भी बढ़ावा देता है। बौद्धिक स्तर पर प्रवासी भारतीय अपने ज्ञान, अनुसंधान और नवाचार के अनुभव भारत के साथ साझा करते हैं, जिससे देश में नई सोच और तकनीक का प्रवेश होता है। सांस्कृतिक दृष्टि से प्रवासी भारतीय दिवस भारत की नरम शक्ति को मजबूत करता है। योग, आयुर्वेद, भारतीय संगीत, नृत्य और त्योहारों के माध्यम से भारतीय संस्कृति विश्व में सम्मान प्राप्त कर रही है। प्रवासी भारतीय इस सांस्कृतिक दूत की भूमिका निभाते हैं। राजनीतिक और कूटनीतिक स्तर पर भी प्रवासी समुदाय विभिन्न देशों में भारत के पक्ष को समझाने और समर्थन जुटाने में सहायक सिद्ध होता है।

युवा प्रवासी भारतीय दिवस इस आयोजन का एक विशेष और दूरदर्शी आयाम है। युवा पीढ़ी, जो विदेशों में जन्मी या पली-बढ़ी है, उसके लिए भारत कभी-कभी केवल एक पारिवारिक स्मृति बनकर रह जाता है। यह विशेष कार्यक्रम उन्हें अपनी जड़ों से जोड़ता है, भारत की समकालीन वास्तविकताओं से परिचित कराता है और उन्हें यह एहसास दिलाता है कि भारत केवल अतीत की विरासत नहीं, बल्कि भविष्य की संभावनाओं से भरा देश है। प्रवासी भारतीय दिवस मनाने का महत्व केवल उत्सव तक सीमित नहीं है। यह आत्ममंथन का अवसर भी है। यह भारत को यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि वह अपने प्रवासी समुदाय की अपेक्षाओं पर कितना खरा उतर पा रहा है। साथ ही यह प्रवासी भारतीयों को भी यह याद दिलाता है कि उनकी पहचान, जिम्मेदारी और योगदान केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय संदर्भ से जुड़ा हुआ है। आज के वैश्वीकृत युग में जब पहचानें तेजी से बदल रही हैं, प्रवासी भारतीय दिवस स्थायित्व का प्रतीक बनकर उभरता है। यह बताता है कि दूरी भौगोलिक हो सकती है, भावनात्मक नहीं। भारत और प्रवासी भारतीयों का रिश्ता समय, राजनीति और परिस्थितियों से परे है। यह रिश्ता साझा मूल्यों, स्मृतियों और भविष्य के सपनों से बना है।

विकसित भारत के सारथीः प्रवासी भारतीय और 2047 का संकल्प

हर साल 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाता है। इसे एन आर आई दिवस(नोन-रेजिडेंट इंडियन डे) भी कहा जाता है। पाठकों को बताता चलूं कि इस दिन को इसलिए चुना गया था, क्योंकि 9 जनवरी 1915 को महात्मा गाँधी दक्षिण अफ्रीका से भारत वापस आए थे, और भारत की आज़ादी की लड़ाई में उन्होंने निर्णायक भूमिका निभाई थी। यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास की बात करें तो यह दिवस साल 2003 से मनाया जा रहा है, जब पहली बार भारत सरकार ने प्रवासी भारतीयों के योगदान को सम्मान देने के लिए इसे आयोजित किया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के विदेश मंत्रालय (मिनिस्ट्री ऑफ एक्सटर्नल अफेयर्स) द्वारा आयोजित होता है।प्रवासी भारतीय दिवस मनाने के मुख्य उद्देश्यों की यदि बात करें तो इसमें क्रमशः विश्व में बसे भारतीयों द्वारा भारत के विकास और समाज में दिए योगदान को सम्मानित करना, भारत और प्रवासी भारतीय समुदाय के बीच सम्बन्धों को मज़बूत करना, एक ऐसा मंच प्रदान करना जहाँ प्रवासी भारतीय अपनी राय, अनुभव और सुझाव साझा कर सकें तथा प्रवासी भारतीय सम्मान(अवार्ड) जैसे पुरस्कार देकर उन्हें सम्मानित करना है। गौरतलब है कि यह पुरस्कार भारत का सबसे बड़ा सम्मान है जो प्रवासी भारतीयों को दिया जाता है, जो विदेश में रहते हुए भारत और भारतीय समुदाय के लिए विशिष्ट योगदान देते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो प्रवासी भारतीय दिवस के प्राथमिक लक्ष्य भारत और विदेशों में बसे भारतीयों के बीच एक सशक्त सेतु का निर्माण करना है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य भारत के आर्थिक, सामाजिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक विकास में प्रवासी भारतीयों के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करना है। साथ ही, यह विश्व समुदाय के बीच भारत की सकारात्मक छवि को सुदृढ़ करते हुए विदेशों में भारत के प्रति बेहतर समझ विकसित करने का प्रयास करता है। प्रवासी भारतीय दिवस भारत के राष्ट्रीय लक्ष्यों के समर्थन को बढ़ावा देता है और विश्वभर में स्थानीय भारतीय समुदायों के कल्याण के लिए सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित करता है। इसके अतिरिक्त, यह प्रवासी भारतीयों को अपनी पैतृक भूमि की सरकार और जनता से भावनात्मक व वैचारिक रूप से जुड़ने का एक प्रभावी मंच प्रदान करता है, जिससे पारस्परिक सहयोग और विश्वास और अधिक मजबूत होता है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि साल 2003 में पहला सम्मेलन नई दिल्ली में हुआ और उसके बाद अन्य शहरों में भी पारंपरिक रूप से इसका आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन की शुरुआत तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के तहत प्रवासी भारतीय समुदाय को मान्यता देने एवं उनके साथ जुड़ने हेतु एक मंच के रूप में की गई थी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 2015 में इसे दो साल में एक बार आयोजित करने का निर्णय भी लिया गया था। दूसरे शब्दों में कहें तो प्रत्येक दो साल में 9 जनवरी को मनाया जाने वाला प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) एक उल्लेखनीय आयोजन है जिसके तहत भारतीय प्रवासियों द्वारा अपनी मातृभूमि के लिये दिये गए योगदान पर प्रकाश डाला जाता है।पिछले साल यानी कि वर्ष 2025 में 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन की थीम- विकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदान रखी गई थी तथा इसका आयोजन ओडिशा द्वारा 8 से 10 जनवरी 2025 तक किया गया था।

श्रृंगेश्वर महादेव धाम रामायण जैसे ग्रंथों में भी अंकित हैं

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई महंत श्री काशीगिरीजी महाराज की पुण्यतिथि

रहीम शेरानी झाबुआ

झाबुआ जिले के झकनावदा के समीप स्थित अति प्राचीन एवं आस्था का प्रमुख केंद्र श्रृंगेश्वर धाम पर भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। अपने गुरु के प्रति पिछले 50 वर्षों से निरंतर समर्पित गुरु भक्तों ने ब्रह्मलीन महंत श्री श्री 1008 श्री काशीगिरीजी महाराज की 23 वीं पुण्यतिथि को हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।

सुबह से लेकर शाम तक लगा रहा भक्तों का ताता

श्रृंगेश्वर धाम में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। धार्मिक अनुष्ठानों, पूजन-अर्चन और मंत्रोच्चार के बीच गुरु भक्तों ने अपने आराध्य गुरु

काशीगिरी महाराज को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। वही महांकाल राजा का भक्तों द्वारा जलाभिषेक किया गया।

विशाल भंडारे का भी आयोजन हुआ

इस अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। गुरु भक्तों ने ब्रह्मलीन महंत काशीगिरीजी महाराज के समाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। वही वर्तमान गादीपति महंत श्री रामेश्वर गिरी महाराज से कुशलक्षेम पूछकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

आयोजन में मुख्य रूप से इन्होंने की शिरकत

पुण्य तिथि के पावन अवसर पर जनपद अध्यक्ष रमेश सोलंकी, वरिष्ठ भाजपा नेता प्रदीप पालरेचा,अभय पालरेचा, भाजपा के पुर्व जिलाध्यक्ष शेलेष दुबे झाबुआ,राजू पाटीदार बावड़ी सहित बड़ी संख्या में गुरु भक्तों ने उपस्थित होकर धार्मिक अनुष्ठानों का लाभ लिया ।

हम भटक रहे हैं क्योंकि हमें परमात्मा से मांगना भी नहीं आता- पन्यास प्रवर श्री योगरुची विजयी जी

पुज्य पन्यास प्रवर श्री ने सामूहिक वर्षीतप की तपस्या कराने की प्रेरणा दी

रहीम शेरानी झाबुआ

जैन श्री संघ के प्रांगण में खुशी का माहौल है, हर्षोल्लास ,उमंग ,उत्साह है क्योंकि आज प्रत्येक जैन परिवार के यहाँ घर घर परमात्मा का प्रवेश होने वाला है। श्री ऋषभदेव बावन जिनालय के उपाश्रय में विराजमान परमपूज्य आचार्य भगवंत श्री जिनसुंदर सुरिश्वर जी महाराज साहेब के शिष्य पन्यास प्रवर श्री योगरुचि विजयी जी महाराज की पावन निश्रा में गुरुवार को से प्रभु श्री पार्श्वनाथ भगवान की 200 से अधिक प्रतिमाजी की पूर्ण विधि विधान के साथ अष्टप्रकारी पूजन की विधि प्रारम्भ हुई। श्री संघ के रिंकू रुणवाल ने बताया कि जैन श्वेताम्बर श्रीसंघ झाबुआ के श्रावक श्राविकाएं सभी प्रतिमा जी के सम्मुख बैठे थे एवं प्रतिमा जी को पाटले के ऊपर सिंहासन पर विराजित किया गया विधिकारक दीपक मुथा एवं निखिल भंडारी ने भक्तिमय माहौल में सुंदर स्तवन की प्रस्तुति दी एवं पूजन की विधि करवाई पुज्य पन्यास प्रवर श्री ने प्रत्येक प्रतिमा जी पर अभिमंत्रित वासक्षेप किया गुरुवंदन की विधि श्रावक रत्न धर्मचंद मेहता ने कराई। प्रभु की महिमा बताते हुए पन्यास प्रवर श्री योगरुचि विजय जी महाराज साहेब ने कहा कि पहले नंबर में परमात्मा से मांगना ही नहीं है, हमारी सोच सीमित है ऊपर वाला हजार हाथ वाला सर्वज्ञ है उनको पता है किसको कब,क्या, कितना देना है? तो हम सामने से क्यों मांगे और मांगना भी है तो ऐसा मांगे कि एक ही बिनती में सब आ जाए ,एक अंधे भिखारी पर भगवान खुश हो गए। भगवान ने कहा कोई भी एक वरदान मांग। आपको पता है उसने एक ही वरदान में बहुत कुछ मांग लिया और भगवान से कहा कि मैं मेरी सात मंजिल की हवेली पे तीसरे बेटे के बेटे को सोने के झूले में झूलता हुआ देखूं ये एक ही वरदान में आंख 7 मंजिल की हवेली तीसरे बेटे के भी वहाँ बेटा बहुत सारा सोना सब कुछ मांग लिया। हम भी प्रभु के पास पैसा पत्नी घर दुकान बेटे के छोटे मोटे प्रश्न को सुलझाने का प्रभु के पास मांगते हैं परंतु परमात्मा की तो इतनी ताकत है कि कोई प्रश्न ही नहीं रहे ऐसे मोक्ष में स्थान दिला दे। संसार में है तब तक प्रश्न हैं संसार से ही छूट गए तो एक भी प्रश्न नहीं रहेगा ।

रूपांतर संस्था का कौशल विकास अभियान

वंचित समुदायों को आत्मनिर्भर बनाने की पहल

इंदौर। रूपांतर नेचर एंड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने ई-इन्फोचिप्स के सी.एस.आर सहयोग से संचालित संस्था के 'प्रोजेक्ट सुई-धागा' के अंतर्गत पिछले तीन वर्षों में 450 से अधिक लाभार्थियों को नि:शुल्क सिलाई प्रशिक्षण दिया गया।

इनमें से लगभग 50 प्रतिशत महिलाएँ प्रशिक्षण के बाद स्वरोजगार या अन्य आय स्रोतों से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त हुई हैं। शहरी बस्तियों में लक्षित कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित इस प्रोग्राम में वंचित एवं हाशिए पर रहने वाले व्यक्तियों को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें स्थायी आय के साधन उपलब्ध कराना लक्ष्य है। इसी क्रम में संस्था द्वारा संचालित निःशुल्क ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कोर्स में अब तक 180 से अधिक प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया है। इनमें से लगभग 60ङ्म65 प्रतिशत प्रशिक्षित प्रतिभागी वर्तमान में मासिक 8,000 10,000 तक की आय अर्जित कर रहे हैं। ये पहल संस्था के पुलकित दुबे, मनदीप कोहली और जयदीप चौधरी के मार्गदर्शन तथा संस्था के प्रधान सेवक मनवीर सिंह खनूजा के नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है। इन परियोजनाओं के माध्यम से रूपांतर ने शहरी बस्तियों में कौशल सृजन, रोजगार अवसर और सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ दर्ज की हैं। संस्था के प्रधान सेवक खनूजा ने बताया है कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम स्थानीय अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने और परिवारों की आर्थिक स्थिति सुधारने में अहम भूमिका निभाते हैं। इन पहलों का संचालन एवं प्रबंधन मनदीप सिंह खनूजा, अदिति मंडलोई और खुशबु मौर्य द्वारा किया जा रहा है।

आरडीएसएस के शेष कार्यों को समय पर पूर्ण करें

इंदौर। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर शहर अधीक्षण अभियंता श्री डीके गाठे ने बुधवार शाम इंदौर शहर वृत्त अंतर्गत कार्यपालन अभियंताओं की मिटिंग लेकर ऋड्ड्स कार्यों में गति लाने को लेकर आदेशित किया । अधीक्षण यंत्री ने शेष कार्य समय पर पूर्ण करने के लिए पांचों कार्यपालन यंत्रियों सर्वश्री डीके तिवारी, सुनील सिंह, विनय प्रताप सिंह, राकेश सिंह जौहर, शैलेंद्र सिंह भदौरिया को सतत पर्यवेक्षणरत रहने को कहा। ज्ञातव्य है कि आरडीएसएस अंतर्गत शहर में सब स्टेशन, वितरण ट्रांसफार्मर, केबल, अंडर ग्राउंड केबल, ज्यादा क्षमता के तार लगाने, पोल इत्यादि के कार्य हुए हैं। इन कार्यों से बिजली वितरण क्षमता विस्तार कार्य किया गया है, कुछ कार्य और होना हैं।

10 दिवसीय विश्व ध्यान दिवस शिविर का समापन

इन्दौर। म प्र जनअभियान परिषद्, इंदौर की नवांकुर संस्था श्री निखिलेश्वर सेवा समिति द्वारा विश्व ध्यान दिवस की उपलक्ष्य में 10 दिवसीय ध्यान शिविर का आयोजन 21 दिसंबर की किया गया।

जिसका समापन कनाडिया ग्राम के शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सेमलिया चाउ इंदौर में किया गया। संस्था अध्यक्ष श्रीमती सुमन महानंद द्वारा बताया गया कि यह 21 दिसम्बर 2025 से पूरे विश्व में ध्यान दिवस का आरंभ हुआ है, इसलिए संस्था द्वारा म प्र जनअभियान परिषद्, इंदौर की नवांकुर संस्था के

रूप में 10 अलग अलग जगह बुराना खेड़ी, बेगम खेड़ी, साहू खेड़ी, चौहान खेड़ी, जल्दकेहु, गैरपिपलिया आदि स्थानों पर ध्यान शिविर संचालित करना है। यह शिविर मुख्य रूप से जागरूकता हेतु संचालित किया गया है। संचालन ओर निरीक्षण संस्था द्वारा म प्र जनअभियान परिषद्, इंदौर की नवांकुर संस्था के रूप में किया जाना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता ङ्क जिला समन्वयक अमित शाह करेंगे। ओर निरीक्षण विकासखंड समन्वयक श्रीमति ऋतुजा पहरे करेंगे।

आज के विश्व ध्यान शिविर में छ्स्स्छ्रक्के समस्त छात्र छात्राओं को ध्यान के विषय में जानकारी हार्टफुलनेस संस्था के ध्यान विशेषज्ञ द्वारा दी गई।

अपनी ही मेहनत का मेहनताना लेनें के लिए कम्पनी के कर्मचारियों को गेट के बहार धरना देना पड़ा

रहीम शेरानी झाबुआ

मजदूर का पसीना सुखने से पहले उसकी मजदुरी मिल जाना चाहिए लेकिन 6 महा से भी अधिक समय बीत जानें के बाद भी आज तक उनके द्वारा की गई मेहनत का मेहनताना नहीं मिला मजबूरन कम्पनी के गेट पर धरना देकर प्रदर्शन करना पड़ा झाबुआ जिले के मेघनगर के औद्योगिक क्षेत्र में स्थित ओवेस मित्तल मिनरल प्रोसिसिंग लिमिटेड मेघनगर, 57, 58, 58 ए के वी एन इंडस्ट्रियल एरिया मेघनगर जिला झाबुआ द्वारा स्टाफ व मजदूरो की 6 महीने की मजदूरी का भुगतान नहीं करने की शिकायत जिला मुख्यालय से लेकर राजधानी तक पहुँच गई, लेकिन कंपनी मालिक के द्वारा आज दिनांक तक उनका भुगतान नहीं किया गया आर्थिक स्थिति से तंग मजदुरो का सब्र का बांध टुट गया ओर उन्होंने कम्पनी के गेट के बाहर धरने प्रदर्शन किया । पीड़ित महिला स्टाफ़ ने बताया की उन्हे कंपनी के जिम्मेदारों के द्वारा विगत 6 माह से झूठी तसल्ली दी जा रही है परिधि ने बताया की उनके पिता की तबियत ठीक नहीं है और उन्हे हॉस्पिटल मे भर्ती रखा है, और पिता के इलाज के लिए पैसे नहीं हैं हमें पैसों की जरूरत है, बार बार पेसा मांगने पर भी वेतन का भुगतान नहीं किया जा रहा है। उमा धाकड़ निवासी ग्राम पंचायत काचलिया ब्लॉक आलोट जिला रतलाम ने बताया की कंपनी द्वारा हमें सैलरी का भुगतान नही करने से पुरा परिवार परेशांन है, आर्थिक तंगी से हमें झूझना पड़ रहा है। कंपनी के जिम्मेदार तारीख पे तारीख दे रहे है, लेकिन हमारा मेहनताना नहीं दिया जा रहा है। हमनें आनलाइन शिकायत भी की है वहा भी तारीख बडा दी गई एक शिकायत सहायक श्रम पदाधिकारी झाबुआ से भी की गई है,यहाँ भी बोला गया की कंपनी प्रबंधक द्वारा 15 जनवरी 2026 तक भुगतान करने की बात कही है। उमा को श्रम अधिकारी ने साफ़ तोर पर कह दिया कि इतना अमाउंट दिलाने का अधिकार उनके पास नहीं है, इसके लिए आपको लेबर कोर्ट रतलाम का रुख करना पड़ेगा मजबूर महिला कर्मचारियों को कंपनी पैसा कब देगी और कब भुगतान होगा अभी भी कोई उम्मीद नहीं हैं तारीख पर तारीख चल रही है मजदुर मजबुरी में कम्पनी के गेट के बहार धरना प्रदर्शन करने को मजबूत है। करती है या फ़िर अगली तारीख का झुंन झुना पकड़ाएगी।

कांग्रेस कार्यक्रम से पहले मंच पर बवाल, अनुशासन पर भारी पड़ा गुटीय अहंकार

जिला कांग्रेस फ्लेक्स फाड़े जाने से मचा हड़कंप, संगठन की साख पर सवाल

विपिन वानखेड़े की सूझबूझ से टली बड़ी फजीहत, कांग्रेस ध्वज लगाकर संभाला मंच

देपालपुर। विधानसभा में आयोजित कांग्रेस की बहुप्रतीक्षित और रणनीतिक बैठक के पहले ही मंच व्यवस्था को लेकर अप्रत्याशित विवाद सामने आ गया, जिसने संगठनात्मक अनुशासन और आपसी समन्वय पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए। कार्यक्रम प्रारंभ होने से ठीक पहले पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल एवं कांग्रेस नेता राधेश्याम पटेल के समर्थक मिथिलेश जोशी ने मंच के पीछे लगे 'जिला कांग्रेस परिवार इंदौर' के अधिकृत फ्लेक्स को खड़े होकर जबरन फाड़ दिया, जिससे सभा स्थल पर अफरा-तफरी और असहज स्थिति बन गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मिथिलेश जोशी मंच के पीछे पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल और राधेश्याम पटेल के व्यक्तिगत फ्लेक्स लगाने की मांग को लेकर अड़ गए। इस दौरान न केवल कार्यक्रम की मर्यादा प्रभावित हुई, बल्कि पार्टी के अधिकृत मंच पर व्यक्तिवाद को संगठन से ऊपर रखने का प्रयास भी खुलकर सामने आया। स्थिति इस कदर बिगड़ गई कि कार्यक्रम के विधिवत आरंभ होने में विलंब हुआ और वरिष्ठ नेताओं को हस्तक्षेप के लिए आगे आना पड़ा। इस संवेदनशील मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े ने राजनीतिक परिपक्वता, संगठनात्मक अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का परिचय देते हुए तत्काल स्थिति को नियंत्रित किया। उन्होंने दोनों गुटों के फ्लेक्स हटवाकर मंच के पीछे केवल कांग्रेस पार्टी का अधिकृत ध्वज लगवाया, जिससे यह स्पष्ट संदेश गया कि कांग्रेस में व्यक्ति नहीं, संगठन सर्वोपरि है। वानखेड़े के इस हस्तक्षेप से न केवल संभावित बड़ा विवाद टल गया, बल्कि कार्यक्रम को किसी तरह गरिमा के साथ आगे बढ़ाया जा सका। हालांकि यह भी गौर करने वाली बात रही कि पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल और कांग्रेस नेता राधेश्याम पटेल कार्यक्रम स्थल पर प्रत्यक्ष रूप से मौजूद जरूर थे, लेकिन कार्यक्रम को सफल बनाने, कार्यकर्ताओं में उत्साह भरने या संगठनात्मक एकजुटता प्रदर्शित करने में उनकी सक्रिय भूमिका दिखाई नहीं दी।

कई कार्यकर्ताओं के बीच यह चर्चा रही कि इतने बड़े और निर्णायक आयोजन के बावजूद वरिष्ठ नेताओं की उदासीनता ने संगठन को कमजोर संदेश दिया। इस घटनाक्रम के बाद अब राजनीतिक गलियारों में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि 11 जनवरी को इंदौर में प्रस्तावित न्याय यात्रा को लेकर जमीनी स्तर पर कितनी गंभीर तैयारी की जा रही है। खासकर तब, जब प्रदेश कांग्रेस सहप्रभारी ऊषा नायडू ने स्पष्ट रूप से पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल और राधेश्याम पटेल से देपालपुर विधानसभा क्षेत्र से 10 हजार से अधिक लोगों की भीड़ जुटाने की अपेक्षा जताई है।

सड़क व पुलिया निर्माण में अनियमितताओं की जांच को पहुंचेंगे कांग्रेस नेता मोतीसिंह पटेल, सिविल इंजीनियर के साथ करेंगे स्थल निरीक्षण

हातोद। हातोद तहसील के अंतर्गत ग्राम नेवरी से चटवाड़ा तक चल रहे सड़क निर्माण एवं पुलिया निर्माण कार्य में सामने आई तकनीकी गड़बड़ियों और गुणवत्ता संबंधी अनियमितताओं को लेकर 9 जनवरी 2026 शुक्रवार दोपहर 1 बजे पूर्व इंदौर दुग्ध संघ अध्यक्ष कांग्रेस नेता मोतीसिंह पटेल सिविल इंजीनियर के साथ मौके पर पहुंचेंगे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सड़क निर्माण कार्य में डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) में निर्धारित मानकों की अनदेखी किए जाने, घटिया सामग्री के उपयोग, अर्थवर्क की अपर्याप्त मोटाई, सही कॉम्पैक्शन नहीं होने तथा पुलिया निर्माण में तकनीकी मापदंडों के उल्लंघन की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। ग्रामीणों द्वारा उठाई गई आपत्तियों के बाद अब मामले की तकनीकी जांच की जाएगी। निरीक्षण के दौरान सिविल इंजीनियर द्वारा सड़क की लेयर प्रोफाइल, सब-बेस एवं बेस कोर्स, मेटल ग्रेडिंग, बाइंडिंग मैटेरियल, तथा पुलिया निर्माण में प्रयुक्त सीमेंट-कंक्रीट अनुपात, रीइंफोर्समेंट प्लेसमेंट, फाउंडेशन डेप्थ एवं डिजाइन स्ट्रेंथ की तकनीकी जांच की जाएगी। इसके साथ ही कार्य की प्रगति को डीपीआर एवं स्वीकृत एस्टीमेट से मिलान कर वास्तविक स्थिति का आंकलन किया जाएगा। स्थल निरीक्षण के दौरान स्थानीय ग्रामीण, जनप्रतिनिधि एवं निर्माण से जुड़े जिम्मेदार अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। जांच उपरांत यदि अनियमितताएं प्रमाणित होती हैं तो संबंधित ठेकेदार एवं निर्माण एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की मांग उच्च अधिकारियों से की जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते गुणवत्ता की जांच नहीं हुई तो यह सड़क और पुलिया भविष्य में दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है। निरीक्षण को लेकर क्षेत्र में प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है।

आदिवासी एकता परिषद महिला प्रोकोष्ठ की बैठक संपन्न हजारों महिलाएं पहुंचेगी नेपानगर

33 वां आदिवासी सांस्कृतिक एकता महासम्मेलन में जिले की महिलाएं भी विशेष ड्रेस कोड एवं अपनी संस्कृति के साथ होंगी सम्मिलित

रहीम शेरानी झाबुआ

आदिवासी एकता परिषद द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय 33वां आदिवासी सांस्कृतिक एकता महासम्मेलन ग्राम चैनपुरा तहसील नेपानगर जिला बुरहानपुर में 13 से 15 जनवरी 2026 तक आयोजित किया जा रहा हैं, जिसमें देश विदेश से लाखों की संख्या में आदिवासी समाज जन अपनी संस्कृति के साथ सम्मिलित होते हैं। जिले से भी प्रतिवर्ष आदिवासी समाज जन हजारों की संख्या में सम्मिलित होते हैं।जिसमें युवा सम्मेलन, महिला सम्मेलन, प्रोबोधन सत्र, खुला सत्र के साथ ही एकता सांस्कृतिक महारैली का आयोजन किया जाता हैं। जिसमें सम्मिलित होने के लिए इस वर्ष जिले की महिलाएं भी बडचढ़ कर अपनी तैयारीयां कर रही हैं, जिसको लेकर आदिवासी एकता परिषद महिला प्रोकोष्ठ की जिला सचिव गुलाबी तोमर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई, जिले से महिलएं भी महासम्मेलन में विशेष ड्रेस कोड के साथ ही जिले की परम्परागत अपनी संस्कृति के साथ सम्मिलित होकर अपने नृत्य की प्रस्तुति प्रस्तुत करेंगी। महिला प्रोकोष्ठ के द्वारा अधिक से अधिक संख्या में चैनपुरा पहुंचने की अपील की गई हैं। इस अवसर पर अन्नू चौहान,तारा सस्तीयां, लक्ष्मी बारिया, मनु माली आदि उपस्थित थे।

देपालपुर विधानसभा में कांग्रेस का आक्रामक शक्ति प्रदर्शन

भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार, जीतू पटवारी की हुंकार - 'जनता के खून पर पर्दा डाल रही है सरकार'

मोती सिंह पटेल बोले - 'देपालपुर कांग्रेस 2028 में सत्ता पलटने को तैयार'

देपालपुर। देपालपुर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई छेड़ने के उद्देश्य से 8 जनवरी, गुरुवार को इंदौर जिला कांग्रेस के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ऐतिहासिक और बेहद आक्रामक बैठक आयोजित की गई। बैठक में साफ संदेश दिया गया कि अब देपालपुर विधानसभा में कांग्रेस रक्षात्मक नहीं, बल्कि आक्रामक मोड में चुनावी और जनआंदोलनों की राजनीति करेगी। बैठक में मौजूद हजारों कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार पर जबरदस्त हमला बोला। पटवारी ने कहा कि इंदौर के भागीरथपुरा में जहरीले पानी से हुई मौतें सीधे-सीधे भाजपा सरकार की आपराधिक लापरवाही का परिणाम हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार मौतों के आंकड़े छुपा रही है और मुख्यमंत्री, मंत्री, महापौर से लेकर पूरा प्रशासन जिम्मेदारी से भाग रहा है।

जीतू पटवारी ने तीखे शब्दों में कहा,

'यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि जनता की जान के साथ किया गया अपराध है। भाजपा सरकार सच छुपाकर अपने गुनाहों पर पर्दा डालना चाहती है, लेकिन कांग्रेस ऐसा नहीं होने देगी। ' पटवारी ने देपालपुर विधानसभा के कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि ग्राम पंचायत स्तर तक कांग्रेस कमेटियों का गठन कर संगठन को लोहे की तरह मजबूत किया जाए। उन्होंने ऐलान किया कि 11 जनवरी को इंदौर में निकलने वाली न्याय यात्रा भाजपा सरकार के ताबूत में आखिरी कील साबित होगी। इस न्याय यात्रा में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के शामिल होने की संभावना बताते हुए पटवारी ने कहा कि देपालपुर विधानसभा से सबसे बड़ी भागीदारी सुनिश्चित की जाए, ताकि भाजपा सरकार को जनता की ताकत का अहसास कराया जा सके। पटवारी के ओजस्वी और आक्रामक संबोधन ने कार्यकर्ताओं में नया जोश भर दिया। पूरा पंडाल 'भाजपा सरकार जवाब दो' और 'कांग्रेस जिंदाबाद' के नारों से गूंज उठा। बैठक में कांग्रेस के मजबूत स्तंभ और वरिष्ठ नेता मोती सिंह पटेल ने भी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देपालपुर विधानसभा का कांग्रेस कार्यकर्ता आज पूरी तरह एकजुट, अनुशासित और संघर्ष के लिए तैयार है।

मोती सिंह पटेल ने स्पष्ट शब्दों में कहा,

'प्रदेश के ऊर्जावान अध्यक्ष जीतू पटवारी और इंदौर जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेडे के नेतृत्व में देपालपुर विधानसभा में ग्राम पंचायत कांग्रेस कमेटियों का गठन कर 2028 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी। भाजपा की जनविरोधी सरकार को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाना तय है। ' उन्होंने कहा कि भाजपा ने पिछले वर्षों में किसानों, मजदूरों, युवाओं और आम जनता के साथ विश्वासघात किया है, जिसका जवाब कांग्रेस जनता के बीच जाकर देगी। प्रदेश कांग्रेस सहप्रभारी ऊषा नायडू ने कहा कि देपालपुर विधानसभा में वरिष्ठ नेताओं और जमीनी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर संगठन को निचले स्तर तक खड़ा किया जाएगा और देपालपुर कांग्रेस को जीत की ओर ले जाया जाएगा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेडे ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे 11 जनवरी को इंदौर पहुंचकर न्याय यात्रा को जनसैलाब में बदल दें, ताकि भाजपा सरकार को यह संदेश साफ मिल जाए कि अब जनता चुप नहीं बैठेगी। बैठक को पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल, राधेश्याम पटेल, देपालपुर विधानसभा प्रभारी मनोज गौतम, ऋतुराज सिंह चौहान, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष सदाशिव यादव, पूर्व दुग्ध संघ अध्यक्ष उमराव सिंह मौर्य सहित अनेक वरिष्ठ नेताओं ने संबोधित करते हुए भाजपा सरकार की नाकामियों को उजागर किया। कार्यक्रम में देपालपुर विधानसभा के चारों ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजेश बड़वाया, सत्यनारायण जाट, सुनेर सिंह सोलंकी, मोहन चौधरी, जिला कांग्रेस संगठन महासचिव दौलत पटेल, किसान कांग्रेस अध्यक्ष जीतू ठाकुर, इंदौर जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष गजेंद्र राठौर, मस्जिद खान, संतोष ठाकुर, मलिक खान, कलाम खान, जगदीश भावसार, देवकरण गुर्जर, केवल सिंह पंडित, जितेंद्र ठाकुर, यशवंत राठौर, शिवम पटेल, सुमित सेठ, जीतू दरबार, नरेंद्र मकवाना, यशवंत आंजना, रामप्रसाद पवार, अंकित खत्री सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के अंत में यह साफ संदेश दिया गया कि देपालपुर विधानसभा अब भाजपा की सुरक्षित सीट नहीं रही। कांग्रेस संगठन अब गांव-गांव, पंचायत-पंचायत जाकर भाजपा सरकार की नाकामियों को उजागर करेगा और जनता के हक की लड़ाई सड़क से सदन तक पूरी ताकत से लड़ेगा।

खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने बुरहानपुर पर गोवा एक्सप्रेस का ठहराव मंजूर करवाया

रेल बोर्ड से सांसद पाटिल को फोन आया सांसद जी आपकी लंबे से ठहराव की मांग मंजूर कर रहे हैं

लगभग 350 करोड़ की लागत से निर्मित होगा आधुनिक खंडवा रेलवे स्टेशन, इस वर्ष कार्य को गति मिलेगी

खंडवा/बुरहानपुर। सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल के प्रयासों से लगातार रेल विभाग द्वारा कई विकास कार्यों के साथ कई गाड़ियों का स्टापिज लोकसभा क्षेत्र के लोगों को प्राप्त हो रहा है। जिलेवासियों के रेल यात्रियों के लिए नये साल में सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल के लगातार मांग और प्रयासो के चलते गोवा एक्सप्रेस के ठहराव की मंजूर करवाया है।जिसकी जानकारी आधी रात को रेल मंत्रालय में एजीएम्यूटिव डायरेक्ट ने मोबाइल कर सांसद पाटिल को दी है। प्रवक्ता सुनील जैन,

मध्य रेल क्षेत्रीय रेल समिति सदस्य मनोज सोनी और पंकज नाटानी ने बताया कि खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने पिछले 3 वर्षों में खंडवा और बुरहानपुर में 14 ट्रेनों के ठहराव स्वीकृत करवाए हैं। साथ ही नेपानगर में कोरोना काल में बंद अधिकांश ट्रेनों को पुनः ठहराव दिलाया हैं। सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ट्रेनों के ठहराव की मांग में बुरहानपुर स्टेशन पर गोवा एक्सप्रेस की मांग लगातार उठा रहे थे। जिसमें तकनीकी कारणों के कारण यहां ठहराव देने में रेल विभाग असमर्थता जता रहा था। लेकिन सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल बार बार इसके बुरहानपुर स्टेशन पर ठहराव के लिए अड़े हुए थे। पिछले पखवाड़े नई दिल्ली में रेल भवन में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर इस ट्रेन के ठहराव को कैसे भी स्वीकृति देने की मांग पाटिल ने की थी।

भक्ति और भावुकता के बीच भागवत कथा का समापन

सुदामा चरित्र सुन छलकीं श्रद्धालुओं की आंखें, आयोजक-समिति अध्यक्ष ने रमी का किया आभार

खंडवा। सात दिन, सात अध्याय और मोक्ष का मार्ग मयूर विहार में आयोजित श्रीमद् भागवत अष्टमसखामृत महोत्सव का गुरुवार को समापन हुआ। अंतिम दिन कथा का केंद्र मित्रता व समर्पण रहा। कथा वाचक बाल व्यास विष्णुप्रिया अविजी ने परीक्षित मोक्ष व सुदामा चरित्र पर प्रसंग सुनाया। विराम दिवस पर समिति ने सभी का आभार भी व्यक्त किया.

कार्यक्रम प्रभारी आशीष जायसवाल ने बताया स्व.संतोखसिंह होरा व स्व.चरणजीत कौर होरा के पुण्य स्मरण में आयोजित श्रीमद् भागवत अष्टमसखामृत महोत्सव के सातवें दिन गुरुवार को कथा वाचक ने सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष और शुकदेव विदाई के प्रसंगों का मार्मिक वर्णन किया। सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए व्यासजी ने कहा सुदामा की पत्नि सुशिला ने सुदामा को द्वारकाधीश से मिलने के लिए कहा। सुदामाजी बड़ी हिम्मत जुटाकर कृष्ण से मिलने द्वारिका चल पड़े। द्वारिका पहुंचकर उन्होंने द्वारपालों को कहा हे द्वारपालों कन्हैया से कह दो सुदामा आया है. जैसे ही भगवान को पता चला की सुदामा मिलने आया है. भगवान सुदामा को लेकर महल में आये, सुदामा के हालचाल जाने और कहा मेरे लिए क्या लाये हो. सुदामा ने सोचा अगर लाता को मेरे चावल दिखा दिया तो लाला क्या सोचेंगे. सुदामा जी बोले कान्हा मैं कुछ नहीं लेकर आया हूँ. भगवान ने देखा सुदामा जी कुछ छुपा रहे है.उन्होंने बाजु में छुपाते हुए सुदामा की पोटली को देखा और हाथ से खींच लिया. चावल देकर भगवान भावुक हो गये. सभी रानीयों से सुदामा को मिलाया. सुदामा एक दिन रूककर भगवान से जाने के लिए निवेदन किया.भगवान ने सुदामा को विदाई दी. जाते हुए सुदामा सोचते है की लाला ने एक धोती तक नहीं दी, अच्छा किया नहीं दी नहीं तो मुझे मोह आ जाता. सोचते हुए सुदामा अपनी गाँव पहुंच जाते है कुटीया के सामने पहुंचकर देखते है वहां बड़े-बड़े महल है, देखकर हैरान हो जाते है. अंदर गहल से सुशीला आती है सुदामा देखकर हैरान ही जाते है. पूछ ये क्या हो गया है.. सुशीला ने बताया आप जिस रात को गये उसी दिन भगवान की कृपा से पूरी नगरी बड़े महलो में बदल गई है। श्रीमद्भागवत के सातवें दिन राजा नृग और गिरगिट की कथा का जिक्र किया है। श्रद्धालुओं को राजा नृग के मोक्ष की कथा सुनाते हुए व्यास पीठ ने बताया कैसे एक अनजाने में किया गया दान का 'दोष' व्यक्ति को दुर्गति की ओर ले जा सकता है। राजा नृग बहुत बड़े दानवीर थे और उन्होंने हजारों गायें दान की थीं। लेकिन एक बार गलती से एक ब्राह्मण को दान दी हुई गाय वापस राजा की गौशाला में आ गई और राजा ने अनजाने में वही गाय दूसरे ब्राह्मण को दान कर दी। जब दोनों ब्राह्मणों के बीच विवाद हुआ, तो राजा ने समाधान की कोशिश की, लेकिन दान की वस्तु को पुनः लेने के दोष के कारण उन्हें अगले जन्म में गिरगिट बनना पड़ा।

आज होगा हवन पूर्णाहुति एवं महाप्रसादी भंडारा- श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा यज्ञ महोत्सव के अंतिम दिन 9 जनवरी को सुबह 9 बजे हवन पूर्णाहुति होगी। जिसमें समिति सदस्य जोड़े सहित पूर्णाहुति में भाग लेंगे। वहीं दोपहर 1 बजे से महाप्रसादी भंडारा होगा। विराम दिवस पर आयोजक सतनामसिंह होरा और अध्यक्ष डॉ नरेन्द्रसिंह चौहान ने 9 दिवसीय कथा में सहयोग के लिए सभी सेवा कार्य लगे समिति सदस्यों का आभार माना. इस अवसर पर सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर, जेलर ललित दीक्षित, मंगल यादव, चैतन्य महाराज, नाथ महाराज, देवेंद्र गुर्जर, वर्षा गुर्जर, आशा गढ़वाल, हंसा त्रिवेदी, नेमीचंद यादव, गिरिजा दलाल, अनिल अग्रवाल, रेखा मालवीया, लक्ष्मी नारायण ठाकुर, गुरदयाल यादव, गणेश पटेल, सुभाष पटेल कालज्याखेड़ी आदि उपस्थित थे।

शिव-पार्वती विवाह प्रसंग हुआ

खंडवा/मुंदी। मां रेवा भक्त मंडल द्वारा समीपस्थ ग्राम कोरगला के कामधेनु घाटी में सात दिनी शिवमहापुराण कथा आयोजित की जा रही है। कथा व्यास पं. श्याम शर्मा ने कथा के चौथे दिन बुधवार को भगवान शिव-पार्वती के विवाह का प्रसंग सुनाया। मुख्य यजमान अमितेश पटेल व वर्षा पटेल ने कथा के पूर्व व्यासपीठ का पूजन किया। कथा दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक आयोजित की जा रही है, समापन 10 जनवरी को होगा।

डोर टू डोर सेग्रीगेशन एवं स्वच्छता महुआ ऐप पर विशेष जोर

खंडवा। नगर पालिक निगम द्वारा स्वच्छता की पाठशाला अभियान के अंतर्गत शहर में स्वच्छता को सुदृढ़ करने हेतु डोर टू डोर सेग्रीगेशन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए। इस दौरान नागरिकों को गीले एवं सूखे कचरे के पृथक्करण की नियमित आदत अपनाने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि कचरा प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। अभियान के अंतर्गत नागरिकों को स्वच्छता महुआ ऐप के महत्व की जानकारी दी गई तथा मौके पर ही ऐप डाउनलोड करवाए गए। ऐप के माध्यम से नगरवासी अपने क्षेत्र की स्वच्छता से संबंधित शिकायतें, जैसे गंदगी, कचरा उठान, नाली सफाई आदि दर्ज कर सकते हैं, जिनका समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाता है। जिन क्षेत्रों में स्व

सह-संपादक की कलम से
महेंद्र जैन

अभिशप्त संपत्ति : अलीराजपुर रियासत की कथा

सनसनीखेज कहानी

अभिशाप की लोककथाएँ पीढ़ी दर पीढ़ी मौखिक रूप से फैलीं, जो कर्मफल की शिक्षा देती हैं। अलीराजपुर की स्थानीय कथाएँ भी इसी परंपरा का हिस्सा हैं, जहाँ श्राप वंशविहीनता एवं दुर्भाग्य का कारण बनता है। अलीराजपुर रियासत की अभिशाप कथाः स्थानीय लोककथा की विनम्र प्रस्तुति भर हैं। अलीराजपुर (मध्य प्रदेश) की रियासत की अभिशाप कथा एक दुर्लभ स्थानीय लोककथा है, जो राठौर राजपूत वंश से जुड़ी है। इस कथा के 10 अध्याय अलीराजपुर रियासत की संपत्ति भोगने वालों के जीवन में आए दुर्भाग्य पर है, जैसे असामयिक मौतें, वंशविहीनता, रीजेंसी की अस्थिरता, विद्रोहों का दमन, तथा आधुनिक कानूनी कलह। इसे मैं 34 वर्षों की एकनिष्ठ, जन उपयोगी पत्रकारिता के दौरान संग्रह करता रहा हु। जिन्हें क्रमशः अगले 9 दिनों में इसी ग्रुप में प्रस्तुत करने वाला हु।

अभिशप्त संपत्ति : अलीराजपुर रियासत की कथा

अध्याय-1 : आली की स्थापना और श्राप का जन्म

नर्मदा की घाटी उस रात भी वैसे ही साँस ले रही थी जैसे सदियों से लेती आई थी!

धीमी, गंभीर और रहस्यमयी।

घने साल और सागौन के जंगलों के बीच से बहती नदी, जैसे भविष्य की किसी अनकही पीड़ा को पहले ही जानती हो।

वर्ष 1437।

आकाश में धूसर बादल थे और आली की धरती पर युद्ध की गंध।

राणा आनंद देव ने अपनी तलवार ऊँची की। तलवार की धार पर सूर्य की अंतिम किरण चमकी!!

मानो इतिहास स्वयं शपथ ले रहा हो।

'यह भूमि अब राणा की है!'

उनका स्वर पहाड़ियों से टकराकर गूँज उठा।

'आज से यहाँ आली रियासत का उदय होता है!'

जयघोष हुआ।

भील सरदार आलिया साहस से लड़ने के बावजूद पराजित, पराभव हुए।

एक बड़े किले की नींव पड़ी।

आसपास हवेलियाँ उठीं।

और नर्मदा के तट से कुछ पर एक नया राजवंश जन्मा।

शुरुआती सदियों में आली समृद्ध हुई, वनों से लकड़ी, खेतों से अन्न, और रियासत की तिजोरियों में स्वर्ण।

लोग कहते थे;

'यह राज्य देवताओं की कृपा से बना है।'

परंतु लोककथाएँ सदा चेतावनी देती हैं! जहाँ लालच प्रवेश करता है, वहाँ अभिशाप जन्म लेता है।

भ्रातृहत्या की रात

समय बहता गया।

तीन शताब्दियाँ बीतीं।

अब आली राजमहल के भीतर वैभव था, पर विश्वास नहीं।

अठारहवीं सदी 1790।

राणा प्रताप सिंह प्रथम, महत्वाकांक्षी, चतुर, पर भीतर से अशांत।

उत्तराधिकार की आग ने उन्हें जला डाला।

उनका बड़ा भाई,

राणा पहाड़ देव द्वितीय

शांत, लोकप्रिय और राजवंश की आशा।

उस अंधियारी काली रात किले के गलियारों में दीपक काँप रहे थे।

हवा भारी थी।

पहाड़ देव ने छोटे भाई प्रताप को चांदपुर में गोपाल नाम के विद्रोही को पकड़ने भेजा।

साथ में पहाड़ देव की सेना के विश्वसनीय धनुर्धर साथी दिए।

परन्तु एक घंटे बाद गहराती शाम में

तलवार लिए एक साया भोजन करते पहाड़ देव के समक्ष अचानक प्रकट हुआ।

पहाड़ देव आश्चर्य चकित, किलेदार ने बिना इजाज़त दरवाजा कैसे खोला,

साए के रूप में टिमटिमाते दियों के प्रकाश में प्रताप सिंह दिखा,

पहाड़ देव उसे पहचानते हुए गहरी साँस ही भरी थीं कि

तलवार चली।

रक्त गिरा।

मरणासन्न पहाड़ देव ने भाई की ओर देखा,

आँखों में न क्रोध था, न घृणा... केवल दुख।

'भाई...

राज्य तो ले लोगे...

पर शांति नहीं।

यह पाप तुम्हें और तुम्हारे वंश को निगल जाएगा...'

उसी समय हवा के बड़े झोंके से दिए बुझ गए!!

उनके शब्द अधूरे रह गए।

और उसी क्षण, इतिहास ने करवट ली।

पहाड़ देव के मासूम दुधमुहे बच्चे और रानी को मारने के लिए रक्तरंजित तलवार लेकर प्रताप अंधेरे में चीखता हुआ आगे बढ़ा

रानी का शाप

महल की व्यवस्था में रत स्त्रियों की चीखें दीवारों से टकराईं।

धरमपुर की राजकुमारी

अब एक विधवा को अपने मासूम दुधमुहे बच्चे को बचाने हेतु भागना जरूरी था, महल के अंधेरे की अभ्यस्त रानी रसोई में थी

अपने बच्चे को जिस कपड़े पर सोया हुआ था उसी से अपनी पीठ पर बांधा और दूसरी तरफ़ से अपने पति की और गई, रक्त रंजीत पहाड़ सिंह अंधेरे में ज़मीन पर पड़े थे,

भयाक्रांत, बदहवास रानी

पति के रक्त में सने हाथों से आगे बढ़ीं।

उनकी आँखों में आँसू नहीं थे

सिर्फ अग्नि थी।

उन्होंने किले की प्राचीन दीवार पर अपने रक्तरंजित हाथों की छाप लगाई।

और फिर वह बोलीं,

ऐसे स्वर में, जैसे समय स्वयं थम गया हो:

'सुन लो आली के किले!

सुन लो इस भूमि की हवाएँ!

इस भ्रातृहत्या के पाप से,

इस वंश की संतानें असमय मरेंगी!!

यह संपत्ति जिस किसी के हाथ लगेगी,,,!!

उसका जीवन सुख नहीं–नरक बनेगा।

हवेलियाँ खंडहर होंगी,

और नाम केवल शोक में बचेगा।

मेरे पति का रक्त व्यर्थ नहीं जाएगा!'

रानी के शाप से

मजबूत किले नुमा

राज महल की

दीवारें काँप उठीं।

महल के सारे

दीपक बुझ गए।

और नर्मदा की लहरों में जैसे एक करुण आर्तनाद घुल गया।

अभिशाप का साया आली और प्रतापसिंह को अपनी जद में ले चुका था।

स्वर्ण से शाप तक

राणा प्रताप सिंह प्रथम जीवित रहे, पर चैन से नहीं।

अंतिम समय में वे पूर्ण रूप से विरक्त हो गए थे, शाप उन्हें जीते जी मार रहा था।

उनकी रानी का गर्भ हर बार कुछ ही दिनों में गिर जाता था!!

राजकाज से उनका मन उचट गया था।

राज्य अस्थिर हुआ, कर देना बंद हो गया।

उनका सेनापति मुसाफ़िर मकरानी रियासत में लगातार होते विद्रोह से लड़ने में ही व्यस्त रहता।

रियासत के अन्य क्षेत्र काफी दूर थे, घोड़े कम थे जबकि पैदल सेना ज़्यादा।

अंततः सन् 1802 में आली से अलीराजपुर रियासत की राजधानी स्थानांतरित कर दी गई।

सन् 1818

एक बार फिर राणा प्रताप सिंह की रानी गर्भवती हुई

पर अंजाम से आशंकित राणा ने एकांत वास कर लिया, इसी समयकाल में खबर आई कि प्रताप सिंह जी नहीं रहे।

उनकी मृत्यु के बाद रियासत अस्थिर हुई।

बड़े पैमाने पर विद्रोह पनपने लगे, विद्रोह करने वाले अपने पराए सब थे।

राजगद्दी पर बैठने वाला अब तक अजन्मा था।

धार के पवार राजा को 10000 का संरक्षण शुल्क अलीराजपुर कई वर्षों से चुका रहा था।

इधर अलीराजपुर आर्थिक रूप से कमजोर हो गया था।

रानी का शाप का प्रभाव या संयोग

धार रियासत के राजा की भी आकस्मिक मृत्यु हो गई!!

और पहली बार लोगों ने कहा;

'यह संपत्ति किसी के लिए शुभ नहीं रही।'

इधर सेनापति मुसाफ़िर मकरानी ने रियासत की बागडोर संभाली और फिर शुरू हुआ

विधवा रानी के धार रियासत पर हमला!!

कुश्ती, डही परगना लुट लिए गए

लोककथाओं में दर्ज है कि सबसे पहले इस संपत्ति को भोगने वाला राणा प्रताप सिंह और बाहरी व्यक्ति धार राजा के साथ साथ

एक अफगान सरदार

राज्य का सबसे विश्वस्त

मुसाफ़िर मकरानी

अल्पकाल में ही पतन को प्राप्त हुए।

राजधानी स्थानांतरित होने से काफी पहले ही रियासत की संपत्ति से प्राप्त धन से मुसाफ़िर मकरानी ने अलीराजपुर में पहली इमारत अपने और अपने सैनिकों की सुरक्षा और अल्प निवास के लिए बनाई थी। दुर्भाग्य; पहाड़ देव की विधवा रानी का शाप, देश भक्त, अत्यंत साहसी सेनापति मुसाफ़िर मकरानी विवाहित होने के बावजूद बे औलाद, निर्वासित जीवन जीते हुए जन्नत को नसीब हुए।

कालांतर में उनकी हवेली भी खंडहर होकर रियासत की संपत्ति हो गई थीं, जिसे बाद के राजाओं ने निजी रूप से बेच दिया था। 1818 में अंग्रेजों की कंपनी ने अपने पैर पसारे और अलीराजपुर रियासत को धार से मुक्त कर अपने हाथ में नियंत्रण में ले लिया

यही से कथा आगे बढ़ती है

जहाँ हर उत्तराधिकारी,

हर अधिकारी,

हर भोगकर्ता

इस श्राप की परछाईं में आता है।

अध्याय 1 की लोककथा में हमने जाना कि;

आली रियासत का जन्म वीरता से हुआ,

उसका पतन लालच से शुरू हुआ,

और उसका भविष्य अभिशाप ने बाँध दिया।

यह केवल अभीष्ट शाप से ग्रसित राजवंश की कथा नहीं,

यह अभिशप्त संपत्ति, सत्ता और कर्मफल की कथा है।

अभिशाप (श्राप) भारतीय लोककथाओं में एक महत्वपूर्ण तत्व हैं, जो कर्म, न्याय तथा अलौकिक शक्तियों को दर्शाते हैं। ये कथाएँ न केवल नैतिक शिक्षा प्रदान करती हैं, बल्कि लालच को रोकने का सबक भी देती हैं। अलीराजपुर की कथा के केंद्र में इस राजवंश की तथाकथित संपत्ति को रखा गया हैं।

अभिशाप की अवधारणा वैसे भी आदिकाल से व्याप्त व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग मानी जाती रहीं हैं। लोककथाओं के रूप में प्रचलित इस अभिशाप को आम जनता तक पहुँचाने का प्रयास कर रहा हूँ। प्रत्येक भाग में तथ्य एवं उदाहरण शामिल हैं।

भारतीय लोककथाओं में अभिशाप एक अलौकिक शक्ति है, जो अक्सर ऋषि-मुनियों, देवताओं या पीड़ित व्यक्तियों द्वारा दिया जाता है। हिंदू पुराणों में श्राप को 'शाप' कहा जाता है, जो क्रोध, अन्याय या भूल के फलस्वरूप लगता है। उदाहरणस्वरूप, महाभारत एवं रामायण में कई श्राप वंशों की दिशा बदल देते हैं।

कल अध्याय 2 : 'अभिशाप की अगली बलि'

नेत्र संकलन केंद्र को मिला 129 वा नेत्रदान

आलीराजपुर । वरिष्ठ समाज सेवी भाजपा नेता , लोकतंत्र सेनानी ज्ञानचन्द्र जीजैन जोबट का 90वर्ष आयु में निधन हुआ, परिवार जनों ने नेत्रदान की इच्छा जताई, परिवार जनों ने नेत्र संकलन केंद्र गायत्री शक्तिपीठ के कपिल राठौड़ ओर संचालक डॉ. शिवनारायण सक्सेना को अवगत करवाया, तत्काल नेत्र संकलन केंद्र प्रभारी अश्विन नागर,सहायक कपिल राठौड़, एवं टेक्नीशियन अजमेर सिंह डावर दिवंगत के निवास पर पहुंचकर दोनों

नेत्रों का कार्निया निकालकर आइस बॉक्स में पैक किया, नेत्रदान से 2 एवं अधिकतम 6 नेत्रहीनों को रोशनी मिलती हे ।दिवंगत के परिजनों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया साथ ही संबल देने एवम् दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए गायत्री, महामृत्युंजय ,नवाकर मंत्र से विनम्र श्रद्धांजलि दी, ज्ञात हो की यह नेत्र संकलन केंद्र का 129 वा नेत्रदान है, जानकारी मीडिया प्रभारी शिवराम वर्मा ने दी , अंतिम यात्रा कार्य राजकीय सम्मान से किया गया ।

आरटीओ की गाड़ी देख वाहन चालकों में मचा हड़कंप...

पेटलावद। वाहन चालकों में उस समय हड़कंप मच गया जब अचानक आरटीओ की गाड़ी नगर के श्रद्धांजलि चौक पर पहुंची इसके पश्चात ताबड़तोड़ ग्रामीण क्षेत्रों की ओर चलने वाले मिनी टेंपो नौ दो ग्यारह हो गए वही एक चार पहिया वाहन के ऊपर लगे हूटर तत्काल निकालने के लिए कहा गया इसके पश्चात पेटलावद- बदनावर राजकीय मार्ग एस्सार पेट्रोल पंप के समीप आरटीओ ने अपना चेक प्वाइंट बनाकर आने जाने वाले वाहन चालको के दस्तावेज जांचे गए

श्रीजी मंदिर ट्रस्ट के ठेकेदार ने कुण्टलो से कचरा नर्मदा में बहाया नर्मदा प्रेमियों में आक्रोश

ओंकारेश्वर । ओकारेश्वर में श्री जी ज्योतिर्लिंग मंदिर ट्रस्ट के द्वारा लगभग 50 लाख रुपए की लागत से तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं प्रशासक शिवम प्रजापति द्वारा ज्योतिर्लिंग मंदिर क्षेत्र के अंतर्गत साफ सफाई का ठेका इंदौर के ठेकेदार को दिया गया था ठेकेदार द्वारा नियम अनुबंध की अवहेलना करते हुए कचरे को घाटो एवं मुख्य मार्ग पर छोड़कर नर्मदा में बहाने का कार्य लंबे समय से उनके लोगो द्वारा किया जा रहा है कम कर्मचारी लगाने के कारण कुण्टलो से कचरा नर्मदा नदी में रात्रि को ओंकारेश्वर बांध परियोजना से छोड़े जाने वाले पानी में बहाया जा रहा था 8 जनवरी को लगभग 8 बजे उसे समय माहौल गर्माया जब ओंकारेश्वर विकास संघर्ष समिति के तिलोक माहिल्या .पंडित दीपक जोशी घाट पर पूजन कर रहे थे ठेकेदार के व्यक्तियों द्वारा नागर घाट पर लगभग 30 कचरे के बोरे नर्मदा के किनारे रखे हमेशा की तरह जब कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उन्हें कहा इन्हें ऊपर चढ़ाओ उन्होंने विवाद किया जिसकी शिकायत प्रोटो कॉल देख रहे प्रोटोकॉल अधिकारी एवं नायब तहसीलदार उदय मण्डलोई को अवगत कराया तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए वीडियो उपलब्ध कराया जो नर्मदा नदी के तेज बहाव में गंदे बदबू युक्त कचरे के बोर बहाया जा रहा था जिसकी शिकायत कलेक्टर ऋष व गुप्ता से पत्रकारों द्वारा मोबाइल के माध्यम से जानकारी दी ओंकारेश्वर विकास समिति के लोगों ने ठेकेदार का ठेका निरस्त करने की मांग की है उल्लेखनीय की नगर परिषद में मुट्ठी भर कर्मचारी जो सुबह नगर की साफ सफाई के साथ मांधाता क्षेत्र का कचरा विधिवत नाव से लाकर टेंशन ग्राउंड तक पहुंचाने का कार्य वर्षों से करते आ रहे हैं ।

अदाह शर्मा का ट्रांसफॉर्मेशन

अदाह शर्मा एक बार फिर यह साबित कर रही हैं कि क्यों उन्हें हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे निडर और बहुमुखी अभिनेत्रियों में शुमार किया जाता है। हाल ही में साझा किए गए एक वीडियो में अदाह ने अपने प्रोस्थेटिक ट्रांसफॉर्मेशन की झलक दिखाई–एक ऐसा प्रोसेस, जिसमें उनका मेकअप तैयार होने में करीब दो घंटे लगते हैं। अदाह कहती हैं, 'मुझे खुशी है कि मुझे अलग-अलग तरह के किरदार निभाने का मौका मिल रहा है और फिल्ममेकर्स मुझ पर इतने विविध रोल्स के लिए भरोसा कर रहे हैं। मैं खुद को बहुत सौभाग्यशाली महसूस करती हूं।'

इन दिनों बेहद खुश हैं, पारुल

अभिनेत्री पारुल गुलाटी इन दिनों बेहद खुश और आभारी हैं, क्योंकि उनकी फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 अपनी पहली रिलीज़ के सिर्फ एक महीने बाद ही फिर से सिनेमाघरों में रिलीज़ हो रही है। इतनी जल्दी दोबारा रिलीज़ होना अपने आप में खास है और यह फिल्म को चुनिंदा फिल्मों की सूची में शामिल करता है। पारुल के लिए यह और भी खास है, क्योंकि यह उनकी पहली थिएटर में रिलीज़ होने वाली फिल्म है।पारुल के लिए यह अनुभव किसी सपने से कम नहीं है। अपनी पहली थिएट्रिकल फिल्म को एक नहीं, बल्कि दो बार बड़े पर्दे पर दर्शकों का प्यार मिलना वह भी इतने कम समय में, उनके लिए बेहद भावुक और यादगार पल है। पारुल इसे एक आशीर्वाद मानती हैं और नए साल की शानदार शुरुआत के तौर पर देखती हैं।

सब कुछ मेरे कंट्रोल में होता है

अभिनेत्री और कवयित्री प्रिया मलिक किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। प्रिया बताती हैं, 'मैंने बहुत छोटी उम्र से ही लाइव परफॉर्म करना शुरू कर दिया था–स्कूल में एलोक्यूशन और डिबेट्स में। पढ़ाई के दौरान मैं हर तरह की सांस्कृतिक गतिविधियों में काफी एक्टिव रहती थी। लेकिन अपने खुद के लिखे हुए कविताओं को परफॉर्म करना मैंने करीब एक दशक पहले शुरू किया। 'वह आगे कहती हैं, 'ऑस्ट्रेलियन पोएट्री स्लैम जैसी प्रतियोगिताओं से लेकर, 2017 के बाद भारत में प्रोफेशनली परफॉर्म करना–धीरे-धीरे मैं इस सर्किट का नियमित हिस्सा बन गई। मेरे सोलो शोज़ अलग-अलग तरह के होते हैं, लेकिन आमतौर पर डेढ़ घंटे तक चलते हैं 'मेरे शोज़ की सबसे बड़ी खासियत यह है कि सब कुछ मेरे कंट्रोल में होता है। मैं खुद लिखती हूं, खुद निर्देशन करती हूं और खुद ही परफॉर्म करती हूं। यह पूरी तरह से एक वन-वुमन शो होता है, जहां दर्शकों को हर बार एक ऑथेंटिक प्रिया मलिक एक्सपीरियंस मिलता है।'

श्रेया शर्मा की बड़ी छलांग

श्रेया शर्मा ने हाल ही में मस्ती 4 में अपने प्रभावशाली अभिनय से दर्शकों और इंडस्ट्री का ध्यान अपनी ओर खींचा है। श्रेया जल्द ही फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज ग्रे' में फीमेल लीड के रूप में दिखाई देंगी, जहां वह पहली बार अनुभवी अभिनेता विवेक ओबेरॉय के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। श्रेया की इस फिल्म में कास्टिंग यह संकेत देती है कि वह अब अधिक गहराई और परफॉर्मेंस-ड्रिवन सिनेमा की ओर अग्रसर हैं। 'मिस्टर एंड मिसेज ग्रे' को जटिल रिश्तों, भावनात्मक टकराव और मानवीय संवेदनाओं की परतों को खोलने वाली कहानी बताया जा रहा है, जिसमें श्रेया का किरदार कहानी की भावनात्मक धुरी होगा।

संस्कार पब्लिक स्कूल लिखी मैजिक और बोलेरो में हुई आमने-सामने की भिड़ंत

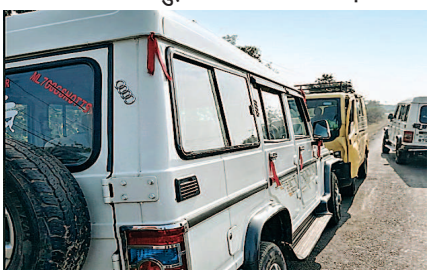

शाजापुर। जिले के सुनेरा थाना क्षेत्र अंतर्गत मोल्टा कॉलोनी के पास गुरुवार सुबह एक सड़क हादसे में बड़ा नुकसान होने से बच गया। यहां रॉन्ग साइड से आ रही एक तेज रफ्तार मैजिक वाहन ने सामने से आ रही बोलेरो को जोरदार टक्कर मार दी। गनीमत यह रही कि जिस मैजिक वाहन से टक्कर हुई, उसमें हादसे के वक्त कोई स्कूली बच्चा सवार नहीं था, अन्यथा परिणाम गंभीर हो सकते थे। जानकारी के अनुसार घटना सुबह करीब 10 बजे की है जब बोलेरो में सवार लोग अपने निजी कार्य से बाटखेड़ी से रिछोदा की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे मोल्टा कॉलोनी के पास पहुंचे, सामने से आ रही एक मैजिक वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। जिस मैजिक वाहन से हादसा हुआ, उस पर संस्कार पब्लिक स्कूल लिखा हुआ था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत शाजापुर जिला अस्पताल पहुंचाया। घायलों में रिछोदा निवासी दो लोग शामिल हैं।

नजर हटी, दुर्घटना घटी, से बचाने की कवायद, शाजापुर में 100 वाहन चालकों का हुआ नेत्र परीक्षण

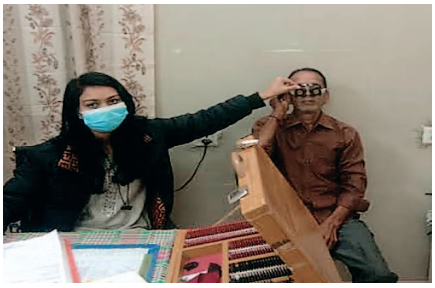

शाजापुर। सड़क हादसों पर लगाम लगाने और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में शाजापुर यातायात पुलिस ने गुरुवार को एक महत्वपूर्ण पहल की। जिला अस्पताल परिसर में आयोजित विशेष शिविर में स्टेयरिंग थामने वाले 100 वाहन चालकों की आंखों की सघन जांच की गई। इस अभियान का नेतृत्व सूबेदार रवि वर्मा और सूबेदार सीमा मौर्य ने किया। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि कई बार चालकों की दृष्टि दोष (कमजोर नजर) बड़े हादसों का कारण बनती है, जिससे वे स्वयं अनजान रहते हैं। शिविर के दौरान जिला अस्पताल के नेत्र विशेषज्ञों की टीम ने वाहन चालकों की आंखों का बारीकी से परीक्षण किया। जांच में जिन चालकों की नजर कमजोर पाई गई या जिन्हें मोतियाबिंद के लक्षण मिले, उन्हें तत्काल चश्मा बनवाने और उपचार की सलाह दी गई।

सुरक्षा सर्वोपरि मौके पर मौजूद सूबेदार रवि वर्मा और सीमा मौर्य ने चालकों को सख्त हिदायत दी कि वे न केवल यातायात नियमों का पालन करें, बल्कि अपने स्वास्थ्य का भी पूरा ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि एक चालक की सतर्कता पर कई यात्रियों की जान निर्भर होती है। कार्यक्रम के दौरान राहवीर योजना

इंदौर जल कांड की मौत पर मंत्री का घंटा बयान, युवक कांग्रेस ने नदी के काले पानी में किया मंत्री के चित्रों का विसर्जन

शाजापुर। इंदौर में जब जनता दूषित पानी पीकर अस्पताल और शमशान जा रही थी, तब जिम्मेदार मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की जुबान से निकला घंटा शब्द अब उन्हीं के गले की फांस बन गया है। मंत्री के इस बड़बोलेपन का जवाब शाजापुर में युवक कांग्रेस ने कीचड़ सत्याग्रह से दिया। गुरुवार शाम चीलर नदी पुलिया पर प्रदर्शनकारी युवक कांग्रेसियों ने हाथों में कैलाश विजयवर्गीय के घंटा मंत्री लिखे चित्र लेकर जमकर नारेबाजी की। इस दौरान युवक कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इंदौर में जब लोग जहरीला पानी पीकर जान गंवा रहे थे और बीमार पड़ रहे थे, तब जिम्मेदार मंत्री व्यवस्था सुधारने के बजाय घंटा जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर रहे थे। मंत्री की इस संवेदनहीनता के विरोध में चीलर नदी के बदबूदार और गंदे पानी में मंत्री विजयवर्गीय के चित्रों को डुबो-डुबोकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विसर्जित किया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे नेताओं ने कहा कि जो मंत्री जनता की पीड़ा को अपशब्दों से तौलता हो, उसे कुर्सी पर रहने का हक नहीं। आज से शाजापुर की जनता विजयवर्गीय को घंटा मंत्री के नाम से ही जानेगी। साथ ही मंत्री के इस्तीफे की मांग की गई। इस मौके पर सत्या वात्रे, नगर अध्यक्ष विपुल दीक्षित, विधानसभा अध्यक्ष इरशाद नागौरी, रेहान खान, योगेंद्र वर्मा, दीपक सालोकिया, राहुल गुर्जर, पवन मालवीय, कमलेश अटेरिया, अरबाज, लखन नायक, लकी वर्मा सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बच्चों को सिखाए आत्मरक्षा साइबर सुरक्षा और कानूनी अधिकारों के गुर

पुलिस के 15 दिवसीय 'सृजन कार्यक्रम' का समापन

शाजापुर।

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग के तहत यूनिसेफ के तकनीकी सहयोग से चलाए जा रहे 15 दिवसीय 'सृजन कार्यक्रम' का विधिवत समापन गुरूवार को हो गया।

पुलिस अधीक्षक यशपालसिंह राजपूत के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और शिक्षा में पिछड़े बालक-बालिकाओं को सशक्त, जागरूक और आत्मनिर्भर बनाना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान बच्चों और युवाओं के व्यक्तित्व विकास और सुरक्षा को लेकर विस्तृत जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को आत्मरक्षा, साइबर जागरूकता, लैंगिक समानता और अच्छे स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। इसके साथ ही बाल अधिकार, मानव अधिकार और संविधान के मूल तथ्यों से भी अवगत कराया गया। साथ ही नेतृत्व क्षमता और शिक्षा का करियर पर प्रभाव जैसे विषयों पर मोटिवेशनल क्लास ली गई। बच्चों को कानून और पुलिस की कार्यप्रणाली समझाने के लिए विभिन्न पुलिस इकाइयों का भ्रमण भी कराया गया, जिससे पुलिस के प्रति उनका डर खत्म हो और विश्वास बढ़े।

अधिकारियों ने बढ़ाया बच्चों का हौसला

समापन समारोह में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक घनश्याम मालवीय, प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी पुलिस एवं डीएसपी अजाक अजय मिश्रा, रक्षित निरीक्षक वंदना सिंह, थाना प्रभारी अजाक रामचन्द्र नागर और उप-निरीक्षक अखिलेश चौहान सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। अतिथियों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और बच्चों का हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में 'जनसाहस संस्था' की टीम का अहम योगदान रहा। संस्था के जिला समन्वयक संदीप अस्ताया, ज्योति सिंथिया, पवित्रा गोडीया, आरती सोलंकी और राहुल अर्सल ने बच्चों को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कालापीपल विधायक को धमकी देने वाला गिरफ्तार

शाजापुर। सोशल मीडिया पर खुद को बाहुबली समझकर जनप्रतिनिधि को जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने कानून की ताकत का एहसास करा दिया। मामला शाजापुर जिले के कालापीपल विधानसभा क्षेत्र का है, जहां विधायक घनश्याम चंद्रवंशी को ऑनलाइन धमकी देने वाले आरोपी हरिओम पटेल को पुलिस ने न केवल गिरफ्तार किया, बल्कि उसे भरे बाजार में पैदल ले जाकर कोर्ट में पेश किया। जानकारी के अनुसार मंगलवार शाम को आरोपी हरिओम पटेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कालापीपल

विधायक घनश्याम चंद्रवंशी के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी दी थी। पोस्ट वायरल होते ही प्रशासन हरकत में आ गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अवंतीपुर बडोदिया पुलिस ने तत्काल प्रभाव से आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

रेलवे फाटक पर जाम, फिर पैदल मार्च

गुरुवार को पुलिस आरोपी हरिओम को रिमांड के लिए कालापीपल तहसील कार्यालय स्थित न्यायालय ले जा रही थी। जैसे ही पुलिस वाहन कालापीपल रेलवे फाटक के पास पहुंचा, वहां भारी जाम लगा हुआ मिला। वाहनों की लंबी कतार देख पुलिस ने वक्त जाया न करते हुए आरोपी को वाहन से नीचे उतारा। इसके बाद पुलिस टीम आरोपी को पैदल ही रेलवे फाटक से तहसील कार्यालय तक लेकर गई। इस दौरान वहां मौजूद लोगों के लिए यह कौतूहल का विषय बन गया। फिलहाल आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

संदिग्ध बाहरी लोगों की पहचान और जांच के लिए शिव सेना ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

शाजापुर।

जिले और प्रदेश में बाहरी संदिग्ध लोगों की बढ़ती आवाजाही को लेकर शिव सेना ने चिंता व्यक्त की है। इस संबंध में शिव सेना प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर नायब तहसीलदार नाहिद अंजुम को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि जिले में रह रहे संदिग्ध लोगों की जांच करवाई जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कहीं इनके बीच अवैध बांग्लादेशी या रोहिंग्या तो नहीं रह रहे हैं।

शिव सेना पदाधिकारियों ने कहा कि जिले में कई जगहऐसे लोग देखे जा रहे हैं जो संदिग्ध प्रतीत होते हैं। संगठन ने आशंका जताई है कि यदि इनकी सही तरीके से जांच नहीं की गई, तो भविष्य में ये स्थानीय लोगों के अधिकारों और सुरक्षा के लिए खतरा बन सकते हैं। शिव सेना ने प्रशासन से निवेदन किया है कि रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठ की संभावना को देखते हुए संदिग्धों का सत्यापन कराया जाए।

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा का भी उठाया मुद्दा

ज्ञापन में बांग्लादेश में हिंदू परिवारों पर हो रही हिंसक घटनाओं पर भी गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त किया गया। शिव सेना ने मांग की है कि केंद्र सरकार इस मामले में हस्तक्षेप करे और वहां पीड़ित हिंदू परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए। ज्ञापन देते समय राजेश पटेल, राहुल विश्वकर्मा, राहुल राजपूत, जगदीश विश्वकर्मा, रितेश मेवाड़ा, पप्पू बंजारा, दिनेश बंजारा, राजपाल राजपूत, अंशुल माहेश्वरी, सूरज मालवीय, मनीष नाथ, सुनील कुशवाह, रूपेश कुशवाह, अंशुल, सुमित सहित शिव सैनिक उपस्थित थे। उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी सरदार विक्रम सिंह ने दी।

अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन 2026

धार। मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा धार द्वारा दो दिवसीय आयोजित अखिल भारतीय विवाह योग्य युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन धार स्थित श्रद्धा शगुन गार्डन में 10 से 11 जनवरी को होगा जिसको लेकर गुरुवार को परिचय सम्मेलन के पदाधिकारियों द्वारा प्रेसवार्ता की गई जिसमें दो दिवसीय होने वाले परिचय सम्मेलन की विस्तृत जानकारी साझा की गई। मुख्य सयोंजक अंनत अग्रवाल,मनोहर लाल अग्रवाल बबन अग्रवाल,संयोजक गोपीकिशन अग्रवाल,महासभा के प्रांतीय उपाध्यक्ष आशीष गोयल,प्रांतीय उपमंत्री पराग अग्रवाल ने बताया कि आगामी 10 व 11 जनवरी को परिचय सम्मेलन में पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, केंद्रीय राज्यमंत्री महिला एवं बाल विकास सावित्री ठाकुर,विधायक धार नीना वर्मा,पूर्व गृहमंत्री उमाशंकर गुप्ता, मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा के कैलाश मित्तल,

वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश के सुधीर अग्रवाल,कलेक्टर धार प्रियंक मिश्रा ,पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी ,नगर पालिका अध्यक्ष धार नेहा बोढ़ाने, नारायण अग्रवाल (420 पापड़), सुभाष अग्रवाल(बजरंग), टीकमचंद गर्ग(कल्याण ग्रुप), विष्णु बिंदल(स्वास्तिक), राजेश अग्रवाल,पूर्व राज्यमंत्री, प्रेमचंदजी गोयल(गोयल पारमार्थिक ट्रस्ट) रहेंगे। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य सम्मेलन का प्राथमिक लक्ष्य यह है कि विवाह योग्य युवक-युवतियों को एक मंच प्रदान करना, पारिवारिक संबंधों को बढ़ावा देना,विवाह योग्य युवाओं एवं युवतियों को अपने पसंद के जीवनसाथी को खोजने और रिश्ते तय करने का अवसर प्रदान करना, जो व्यस्त जीवनशैली में मुश्किल होता है। इस तरह के आयोजन समाज में एकता, आपसी समन्वय और स्वस्थ वैवाहिक परंपराओं को बढ़ावा देते हैं।

इस सम्मेलन के लिए 3 महीने से धार के अग्रबधु जोरो से तैयारी कर रहे है सम्मेलन के लिए देश-विदेश से प्रविष्टियां प्राप्त हो चुकी हैं।

परिचय सम्मेलन के लिए आगामी 10 व 11 जनवरी को होने वाले विवाह योग्य अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन की सम्पूर्ण रूपरेखा कर तैयारियो को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

इसमें योग्य जीवनसाथी की चाह लिए देशभर के युवक-युवती जुटेंगे। सुबह से शाम तक चर्चा का दौर चलेगा और कई रिश्ते तय होंगे। इस दौरान सामाजिक सरोकार की बात भी होगी।

इस सम्मेलन से प्रत्याशियों और अभिभावकों को एक ही स्थान पर अलग-अलग शहरों के युवक-युवतियों को जानने और समझने का मौका मिलेगा।

सम्मेलन के लिए 35 से अधिक समितियों का गठन किया गया है।

जिसमें 65 युवा,105 मात्र शक्ति एवं 80 समाजजन शामिल है।

बाहर से आने वाले प्रत्याशियों और अभिभावकों के लिए ठहरने की व्यवस्था भी निशुल्क की गई है।

सम्मेलन स्थल पर कम्प्यूटर से कुंडली मिलान, पंडित से कुंडली मिलान, अभिभावक चर्चा कक्ष और युवक-युवती चर्चा कक्ष भी बनाए जाएंगे।

परिचय सम्मेलन में स्वास्थ्य विशेषज्ञ एवं स्वास्थ शिविर लगाया जाएगा।

यह परिचय सम्मेलन पूरे प्रदेश में ऐतिहासिक होगा।

अभी तक 10 राज्यो से 500 से अधिक अविवाहित युवक एवं 300 से अधिक युवतियों के सैकड़ों बायोडाटा आ चुके हैं

जिसमे अधिकांश डॉक्टर, इंजीनियर, एमबीए, सीए, एमसीए जैसे उच्च शिक्षित एवं स्वयं के रोजगार में स्थापित प्रत्याशी शामिल हैं

आयोजन में युवक-युवतियां मंच से अपना परिचय देंगे।

ऑनलाइन इंटरव्यू की व्यवस्था रहेगी।

यहां युवक-युवतियों के अभिभावक यदि परिवारों से वार्तालाप करना चाहेंगे तो उनके लिए कैबिननुमा व्यवस्था भी रहेगी।

आयोजकों द्वारा बाहर से आने वाले समाजजन के लिए अलग से निशुल्क आवास व्यवस्था भी रहेगी।

सिर्फ व्यवस्था शुल्क पर स्वल्पाहार एवं भोजन की व्यवस्था रहेगी।

10 जनवरी की शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन होगा।

अग्र माधवी स्वर्णिम युगल सम्मान अंतर्गत 50 वर्ष पूर्ण हुए जोड़ो का कुटुंब प्रबोधन का बढ़ावा देने हेतु अग्रवाल समाज धार एवं आसपास से 50 वर्ष पूर्ण कर चुके लगभग 29 वैवाहिक जोड़ो को सपरिवार बेटी जमाई सहित आमंत्रित किया जा रहा है एवं उनका मंच से सम्मान किया जाएगा।

परिचय सम्मेलन बनेगा समाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक करने का माध्यम।

पूरे परिसर में जागरूकता संदेश विभिन्न विषय से संबंधित जैसे बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ,खर्चीली शादियां, लव जिहाद,पर्यावरण संरक्षण,भोजन का अपव्यय आदि के पोस्टर लगाए जाएंगे।

पर्यावरण संरक्षण गतिविधि की प्रेरणा से सम्मेलन में डिस्पोजल का उपयोग नहीं किया जाएगा,अतिथियों को भेट स्वरूप तुलसी के पौधे दिए जाएंगे । संघ स्थापना के 100 वर्ष और पंच परिवर्तन प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।प्रेस वार्ता में कैलाश मालक,दीपक अग्रवाल,सतीशचन्द्र अग्रवाल,दिलीप सांघी, मुरली अग्रवाल मौजूद थे।

बाग खंड के 7 मंडलों में होंगे हिंदू सम्मेलन

बाग । संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में आने वाली 11 जनवरी , 13 जनवरी एवं 18 जनवरी को बाग खंड के सभी मंडल जिसमें बाग मंडल ,अखाड़ा ,चिजबा ,आगर,भमोरी , लोंगसरी एवं डेहरी इन सभी मंडलों के मंडल पालक नियुक्त किए गए हैं जो सभी मंडल में सभी स्थानों पर भूमि पूजन संपन्न करा रहे है तथा सभी मंडलों के मोहल्लो में हिंदू समाज के कार्यकर्ता केसरिया पताकाएं ,ध्वज , रुद्राक्ष माला लेकर सभी हिंदू परिवारों में संपर्क निरंतर कर रहे हैं एवं सामग्री दी जा रही है उक्त जानकारी देते हुए बाग खंड के खंड संघ चालक श्री मनोज जी काग ने बताया कि इसका उद्देश्य सनातन समाज में जागरण एवं धर्मांतरण पर रोक हे 7 ?10/- रूपये का प्रत्येक परिवार का पंजीयन हो रहा है जो हिंदू सम्मेलन में अपनी

उपस्थिति निश्चित करने के लिए है7 साथ ही हिंदू सम्मेलन सभा के बाद प्रत्येक मंडलों में भोजन प्रसादी रहेंगी जिसका खर्च प्रत्येक परिवार से सामग्री के रूप में एकत्रीकरण किया जा रहा है जिससे सम्मेलन हिंदू सम्मेलन के लिए अपनत्व का भाव जागृत हो

अभी तक की जानकारी अनुसार प्रत्येक मंडल में भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हो चुका है साथ ही प्रत्येक मंडलों में लगभग लगभग 1200 से 1500 परिवारों में संपर्क हुआ है जिससे प्रत्येक मंडल में अलग-अलग मंडल स्थान पर 5 हजार से 6 हजार की संख्या में हिंदू जन हिंदू सम्मेलन में पहुंचने की संभावना है ऐसा अनुमान है कि पूरे खंड में करीब 50,000 हिंदू जन अलग-अलग हिंदू सम्मेलन में पहुंचेंगे प्रत्येक मंडल स्तर पर ऐसी योजना बनाई गई है जिसमें मंडल केंद्र पर सभी गांव से मादल एवं ढोल से अलग-अलग गांव से सम्मेलन स्थल पर लोग पहुंचेंगे बाग खंड के सातों मंडलों में हर मंडल पर 150 से 200 कार्यकर्ता इस कार्य में लगे हैं7प्रत्येक मंडल के गांव में अलग-अलग समिति में बनाई गई है समितियां के माध्यम से मालूम में जागरण का काम प्रभात फेरी ,भजन एवं मातृशक्ति द्वारा खंड से प्राप्त अक्षत कलश से सभी परिवारों में अक्षत देकर निमंत्रण दिया जा रहा है साथ ही युवा टोली के माध्यम से निरंतर प्रचार प्रसार किया जा रहा है हर मंडल पर हिंदू सम्मेलन के दिन एक बड़ी सभा होगी जिसमें मंच पर मंडल के समाज के प्रबुद्ध जन एवं स्थानीय संत महात्मा को स्थान देकर बौद्धिक वक्ता अपना उद्बोधन देंगे तत्पश्चात भोजन प्रसादी आए हुए सभी हिंदू जनों का समरसता भोज होगा।

कार्य स्थल पर यौन उत्पीड़न की अब ऑनलाइन भी कर सकते है शिकायत

धार । जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री सुभाष जैन द्वारा कार्य स्थल पर यौन उत्पीड़न के संबंध में गुरुवार को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विभिन्न विभागों एवं संस्थानों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कानून के प्रति जागरूक करना, महिलाओं को सुरक्षित कार्यस्थल उपलब्ध कराना तथा शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी समाधान को सुनिश्चित करना रहा। उन्होंने महिलाओं के कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 पर नियमों एवं समिति के कार्यों व प्रक्रिया के बारे में बताया गया । श्रीमती चेतना राठौर काउंसलर द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित का आयोजन कर महिलाओं के कार्यस्थल पर सुरक्षित, सम्मानजनक एवं गरिमामय वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महिलाओं के कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के संबंध में विस्तार से जानकारी गई। इस प्रशिक्षण में स्वास्थ्य विभाग, बैंक, लीड संस्थान, निजी कंपनियाँ एवं शिक्षा विभाग के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों, आंतरिक शिकायत समिति (ढ्ढष्ट) के गठन, शिकायत प्रक्रिया तथा नियोक्ता एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान ज्योति पाल, विभागीय काउंसलर द्वारा प्रतिभागियों को स्द्धद्ग–द्ब¢× पोर्टल के बारे में भी अवगत कराया गया तथा यह बताया गया कि किस प्रकार महिलाएँ ऑनलाइन माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कर सकती हैं। पोर्टल पर लॉगिन, पंजीकरण एवं शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया। प्रशिक्षण में उपस्थित प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रशिक्षण के दौरान सहायक संचालक श्री प्रवीण कुमार सिटोले एवं महिला बाल विकास के कर्मचारी शामिल हुए।

उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री, मध्यप्रदेश शासन एवं आयुष मंत्री श्री इंदर सिंह परमार द्वारा

नटरैक्स पीथमपुर में eBAJA एवं BAJA SAEINDIA 2026 का शुभारंभ

धार । उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री, मध्यप्रदेश शासन एवं आयुष मंत्री श्री इंदर सिंह परमार द्वारा धार जिले के पीथमपुर स्थित राष्ट्रीय ऑटोमोटिव परीक्षण एवं अनुसंधान अवसंरचना परियोजना (नटरैक्स) में eBAJA एवं hBAJA SAEINDIA 2026 प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। जिला प्रशासन से जिला आयुष अधिकारी श्रीमती प्रमिला चौहान द्वारा पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पीथमपुर श्री जगदीश मेहरा उपस्थित रहे। यह आयोजन तकनीकी नवाचार, सतत मोबिलिटी एवं विनिर्माण उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रतियोगिता में इस वर्ष देश के 21 राज्यों से कुल 112 टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें

इलेक्ट्रिक (द्बक्च्ड्ड) एवं हाइड्रोजन-सीएनजी (hBAJA) श्रेणियां सम्मिलित हैं।

मुख्य अतिथि श्री इंदर सिंह परमार ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की छात्र प्रतियोगिताएं युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाती हैं तथा उन्हें उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करती हैं। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति के माध्यम से ही विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री द्वारा नटरैक्स की अत्याधुनिक परीक्षण सुविधाओं का अवलोकन किया गया। प्रतियोगिता के प्रथम दिवस में अनेक टीमों द्वारा सेल्स

प्रेजेंटेशन एवं मैन्युफैक्चरिंग एक्सीलेंस प्रस्तुतियां दी गईं। तकनीकी निरीक्षण की प्रक्रिया जारी है।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री प्रदीप गोयल, बिजनेस हेड-रिटेल, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड तथा श्री सचिन अग्रवाल, कार्यकारी उपाध्यक्ष (उत्पाद विकास), वोल्वो आयशर कमर्शियल व्हीकल उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का आयोजन 'Torque to Triumph' थीम के अंतर्गत किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य तकनीकी दक्षता को नवाचार एवं सफलता में परिवर्तित करना है। इस वर्ष प्रतियोगिता में छात्राओं की सहभागिता बढ़कर 21 प्रतिशत हो गई है, जो समावेशी सहभागिता की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति है।

प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागी टीमें तकनीकी निरीक्षण, ब्रेक टेस्ट, एक्सेलरेशन एवं मैन्युवरेबिलिटी सहित विभिन्न डायनेमिक एवं स्टैटिक इवेंट्स में भाग लेंगी। साथ ही, एंड्यूरेंस रेस के माध्यम से वाहनों की कार्यक्षमता एवं टिकाऊपन का परीक्षण किया जाएगा। इस अवसर पर नटरैक्स के निदेशक डॉ. मनीष जायसवाल ने कहा कि नटरैक्स प्रारंभ से ही BAJA SAEINDIA के आयोजन में सहयोग प्रदान करता आ रहा है तथा यह मंच विद्यार्थियों को व्यावहारिक परीक्षण के माध्यम से उद्योग से जोड़ने का कार्य करता है।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी का शपथ एवं राष्ट्रीय सम्मेलन 11 को चितौड़ में

जावरा। अखिल भारतीय स्थानकवासी श्रमण संघीय एकता के अग्रदूत जैन दिवाकर श्री चौथमल जी महाराज के अनुयायी जैन दिवाकर भक्तों का विशाल सम्मेलन एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह दिनांक 11 जनवरी रविवार को एतिहासिक नगरी चितौड़ गढ में रजीस्टर्ड संगठन के नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष समाज भूषण श्री आईएम सेठिया चितौड़ की अध्यक्षता में होगा। उक्त जानकारी जैन दिवाकर संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री राकेश मेहता वरिष्ठ मार्गदर्शक सुजान कोचट्टा जावरा ने देते हुए बताया कि राष्ट्रीय सम्मेलन में देश भर से हजारों गुरु भक्त श्रावक श्राविकाए , महिला मण्डल, युवा मण्डल,बहु मण्डल एवं बालिका मण्डल आदि सम्मेलन में भाग लेने एतिहासिक नगरी चितौड़ पहुंच कर गुरुदेव जैन दिवाकर श्री चौथमल जी महाराज व संगठन के प्रति समर्पित भाव अपनी आस्था का इजहार करेंगे। मेहता व कोचट्टा ने बताया कि राष्ट्रीय सम्मेलन की व्यापक तैयारियो के लिए अध्यक्ष सेठिया, पुर्व कार्यकारी अध्यक्ष सुनिल लाला बम पुर्व विधायक अशोक नवलखा, कोषाध्यक्ष संतोष चोपड़ा, संगठन मंत्री सिध्दराज संधवी, चितौड़ युवा शाखा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश मेहता, राष्ट्रीय महामंत्री कमलेश दुग्गड व महिला शाखा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती संगीता जारौली व संगठन सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं सदस्य शौर्य एवं भक्ति की नगरी चितौड़ में आनेवाले गुरु भक्तों के स्वागत कीव्यापक तैयारियो में जुटे हुए हैं। मेहता व कोचट्टा ने बताया कि संगठन के मध्यप्रदेश के राष्ट्रीय पदाधिकारी रमेशचंद्र भंडारी, प्रकाश भटेवरा इन्दौर,संधरव इन्दरमल जैन वकील, अध्यक्ष अजय खेमसरा व जयन्तीलाल डांगी रतलाम, शान्तिलाल दुग्गड, संदीप रांका अभय सुराणा आदि संगठन के सभी पदाधिकारीयों ने देश भर के विशेष कर मध्यप्रदेश व राजस्थान के सभी गुरु भक्तों को आमंत्रित करते हुए अपील की कि व बड़ी संख्या में एतिहासिक नगरी चितौड़ पहुंच कर गुरु भक्ति, आस्था का परिचय देते हुए एक मात्र रजीस्टर्ड संगठन को मजबूती प्रदान करें। उक्त जानकारी संगठन के मिडिया प्रभारी सुभाष टुकडीया व शेखर नाहर ने दी।

20 जनवरी से 25 जनवरी 2026 तक दिव्यांग भाई बहनों के लिए कृत्रिम अंग हाथ पैर और केलिपर्स परिक्षण पश्च्यात प्राप्ति हेतु लगेगा शिविर स

बुरहानपुर। बुरहानपुर जिले ही नही आस पास के जिलो में दिव्यांग भाई बहनों को निशुल्क कृत्रिम अंग हाथ पैर,केलिपर्स परिक्षण एवं कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन जनजाग्रति संस्था बुरहानपुर, जिला प्रशासन सामाजिक न्याय एवम दिव्यांगजन सशक्ति करण विभाग बुरहानपुर,रोटरी क्लब बुरहानपुर,जायंट्स ग्रुप ऑफ़ इंदौर एवं सेवा प्रदाता महावीर सेवासदन कोलकाता व् परमार्थ निकेतन ऋषिकेश के संयुक्त तत्वाधान में निशुल्क परीक्षण एवं प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन दिनाक 20 जनवरी से 25 जनवरी 2026 तक जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र ए यातायात थाने के पीछे कलेक्टर रोड जिला बुरहानपुर पर प्रतिदिन दिव्यांग भाई बहनों का चेक अप प्रातः 9 बजे से शाम 5 बजे तक किया जायेगा स जिन दिव्यांग भाई बहनों को परिक्षण पश्चात उचित होने पर सेवा प्रदाता टीम द्वारा कृत्रिम अंग प्रदाय किये जायेंगे उनका नाप लिया जायेगा। इस हेतु बुरहानपुर जिले के समस्त दिव्यांग भाई बहनों से निवेदन है की कृपया शिविर का लाभ प्राप्त करने के लिए आप आपका नाम दर्ज कराने हेतु महेंद्र जैन 9425086972,दुर्गेश कुमार दुबे 9993544353,डॉ किरण सिंह 9893649509 ,अशोक अग्रवाल 8770479442,डॉ फौजिया सोडावाला 9340073683,शोभा चौधरी 9827281871,नविन पारख 9926582456 ,श्याम अडवानी 9617662288 ,प्रिंस सेठिया 9575630333 के साथ साथ आप सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग बुरहानपुर के तुषार महाजन 9926233340,राजेंद्र येवले 9752581640 , इन्द्रास 9977959470 पर भी सम्पर्क साधकर नाम दर्ज कराकर इस शिविर का लाभ उठा सकते है स जिला प्रसाशन सामाजिक न्याय एवम दिव्यांगजन सशक्ति करण विभाग बुरहानपुर द्वारा दिव्यांग भाई बहनों द्वारा पंजीयन कराने के पश्च्यात कौनसे दिवस आना है ।

न्यायालय में केस लंबित, तो क्या पूरे शहर के कॉलोनाइजरों को मिल गई खुली छूट ... ?

जावरा। मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी तहसील के रुप में शामिल जावरा शहर जिसकी आबादी तकरीबन एक लाख के आसपास हैं। लेकिन इस शहर में ऐसी कई कॉलोनियां हैं, जहाँ कॉलोनाइजरों पर अवैध कॉलोनी काटने और विकास कार्य नहीं करने पर नगर पालिका ने जिला कलेक्टर के आदेश पर पुलिस के मार्फत एफआईआर दर्ज करवाई। लेकिन इन सभी कॉलोनाईजरों के मामले न्यायालय में लंबित हैं और वे सभी कॉलोनाईजर जमानत पर बाहर घूम रहे हैं, जबकि हजारों लोग गंदगी, बदबू और बीमारी में जीने को मजबूर हैं। इन सभी कॉलोनियों के कॉलोनाईजरों का पैटर्न एक जैसा है कॉलोनी काटो, प्लॉट बेचो, पैसा वसूलो और फिर कानून की आड़ लेकर भाग जाओ। क्या न्यायालय में मामला लंबित होना कानून तोडने का लाइसेंस बन गया है ? जावरा हेडलाईस अब ऐसे ही कॉलोनियों से कराएंगा शासन, प्रशासन और जवाबदारों को रुबरू ...

कानून का डर खत्म, क्योंकि केस कोर्ट में है

आज जावरा में यह खतरनाक सोच बन चुकी है कि मामला कोर्ट में है, कानूनी प्रक्रिया चल रही है, लेकिन इसका फायदा कॉलोनाइजर उठा रहे हैं कि अब कोई कुछ नहीं कर सकता। इसी का नतीजा है कि इन कॉलोनियों में न नालियां बनती हैं, न सड़कें, न ड्रेनेज और न ही सफाई और तो और पीने के पानी की भी व्यवस्था इन कॉलोनियों में कालोनाईजरों द्वारा नहीं की गई हैं। ऐसे में कॉलोनीवासी टेंकरों के भरोसे ही जीवन जी रहे हैं। इन कॉलोनियों में सिर्फ प्लॉट बिकते हैं, कॉलोनाईजर मोटी कमाई काटता हैं और जनता बीमारी खरीदती है।

सुजापुर में श्री गौ भागवत कथा में भव्य दिव्य दरबार लगा

प्रमुख मार्गो से निकली गंगाजल कलश यात्रा

जावरा । समीपस्थ सुजापुर में गुरुवार से श्री गौ भागवत कथा का वाचन 8 जनवरी से प्रारंभ हुई। जिसका रसपान 14 जनवरी तक गुरुदेव अनिकेत कृष्ण महाराज बृजबिहारी सरकार के मुखारविंद से होगा। कथा के प्रारंभ में शक्तिपीठ माताजी से भव्य गंगाजल कलश यात्रा बैंड बाजे के साथ नृत्य करते हुए नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए। गौ चिकित्सा कथा स्थल पहुंची जहां भागवत महापुराण कथा के प्रसंग में श्री मद गौ भागवत कथा की महिमा का वर्णन कर शाम 3 बजे दिव्य दरबार में दिन दुखियों की अर्जी लगाकर समस्याओं का समाधान बताया। नगर सहित आसपास क्षेत्र बारखेडा, पिपलोदा, पंचेवा, जावरा, बड़ायला माताजी, आंबा, नांदलेटा, शेरपुर, अयाना से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कथा का रस पान किया इस अवसर पर देवेंद्र शर्मा, देवेंद्र भारद्वाज, धनपालसिंह भंडारी, धर्मेंद्रसिंह सरपंच, रवि वोरा, सोहनसिंह आदि अतिथिगण उपस्थित रहे।

मठ मन्दिर में विराट हिन्दू सम्मेलन 11 को, 10 को निकलेगी वाहन रैली

जावरा । आरएसएस की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हिन्दू समाज को संगठित करने के उद्देश्य से हिन्दू सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कडी में 11 तारीख रवीवार को यहां नया माली पूरा स्थित मठ मन्दिर परिसर में केदारनाथ बस्ती का भव्य हिन्दू सम्मेलन आयोजित होगा। इसके तहत 10 जनवरी को सांय 4 बजे मठ मंदिर प्रांगण से वाहन रैली प्रारंभ होगी, जो बस्ती व मोहल्ले में भ्रमण कर पुनः इसी स्थान पर रैली का समापन होगा। इसके बाद इसी दिन शाम 7 बजे मन्दिर परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। जबकि अगले दिन 11 जनवरी को दोपहर 12 बजे केदारनाथ बस्ती सहित क्षेत्र के सनातनी बंधुओं का सम्मेलन

आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन की समाप्ति के पश्चात भोजन प्रसादी का आयोजन रखा गया है। सकल हिन्दू समाज के लोगों ने सनातनी भाइयों से आयोजन में बडी संख्या में उपस्थित होने की अपील की है। कार्यक्रम हेतु सर्वसम्मति से संचालन टोली का गठन किया गया, जिसमें संयोजक गोवर्धन पटेल, सह संयोजक मनोहर दईया, सदस्य रमेश देवड़ा, दीपक बैरागी, सतीश सैनी, हिसाब प्रमुख, राहुल गेहलोत, रोहित बनोपा को सम्मिलित किया गया।

इन रास्तो से निकलेगी रैली

वाहन रैली मठ मंदिर से प्रारंभ होगी ओर छोटा मालीपुरा, बड़ा मालीपुरा, जुलाहपूरा, मुगल पूरा, कमलीपूरा, कमानी गेट, नीमचोक , लक्ष्मीबाई रोड, कोर्ट परिसर, सब्जी मंडी, रपट रोड, भारत कॉलोनी होते हुए मठ मंदिर पर समापन होगा।

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर व्यवस्थाओं की हुई समीक्षा

सागर(अनुराग शर्मा)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के खुई आगमन पर प्रस्तावित रोड शो एवं आमसभा की तैयारियों की समीक्षा को लेकर पूर्व गृहमंत्री एवं खुई विधायक भूपेन्द्र सिंह के साथ संभाग कमिश्नर अनिल सुचारी, पुलिस महानिरीक्षक श्रीमती हिमानी खन्ना, कलेक्टर संदीप जी.आर. एवं पुलिस अधीक्षक विकास शाहवाल ने अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर पूर्व गृहमंत्री, खुई विधायक भूपेन्द्र सिंह लगातार समाज के विभिन्न वर्गों के साथ मैराथन बैठकों के माध्यम से तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने खुई के सभी व्यापारी संघों, स्कूल संचालकों एवं डाक्टर्स एसोसिएशन के साथ बैठकें कीं। इसके साथ ही वे भाजपा के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के परिवारों से संपर्क कर कार्यक्रम में सहभागिता हेतु आमंत्रित कर रहे हैं।निरीक्षण के दौरान पूर्व गृहमंत्री, खुई विधायक श्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध, सुव्यवस्थित और समन्वय के साथ पूरी की जाएं। आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि खुई ने हमेशा संगठन, अनुशासन और सहभागिता का उदाहरण प्रस्तुत किया है और इस बार भी खुई प्रदेश के सामने एक आदर्श आयोजन प्रस्तुत करेगा।

अपने संबोधन में श्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के खुई आगमन से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। आने वाला वर्ष खुई के लिए विकास, नई योजनाओं और अधोसंरचना विस्तार की दृष्टि से ऐतिहासिक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम केवल एक राजनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि खुई के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और नागरिकों से आग्रह किया कि वे पूर्ण जिम्मेदारी और उत्साह के साथ आयोजन को सफल बनाएं।

व्यापारी संघ की बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व गृहमंत्री, खुई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि खुई को मध्य प्रदेश के सबसे पिछड़े हुए क्षेत्र में गिना जाता रहा। यह स्थिति कांग्रेस के 50 साल के शासन में बनी थी। हम सब जानते हैं कि बिना विकास के हमारे जीवन में समृद्धि नहीं आ सकती। खुई के विकास के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता बीना नदी परियोजना है। इसी से गरीबी कम होगी, उद्योग कारखाने के रास्ते खुलेंगे, और विकास की गति और तेज होगी। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की किसी विधानसभा में इतना विकास नहीं हुआ जितना खुई विधानसभा क्षेत्र में हुआ।

उन्होंने कहा कि खुई में विकास की सबसे ज्यादा संभावना है। अब हमारे पास पर्याप्त पानी है, पर्याप्त बिजली है। चारों तरफ सड़कों का नेटवर्क है। ओवर ब्रिज भी लगभग सभी तैयार हैं। यह स्थिति औद्योगिक विकास के लिए अनुकूल है। मुख्यमंत्री डा मोहन यादव जी के आगमन से इन सभी परिस्थितियों से औद्योगिक विकास के मार्ग खुलेंगे।स्कूल संचालकों एवं डाक्टर्स एसोसिएशन की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि खुई में चिकित्सा और शिक्षा की सुविधाओं को मुख्यमंत्री के आगमन से संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। खुई में मेडीकल कॉलेज की स्थापना के संबंध में प्रगति हो सकेगी। शिक्षा के क्षेत्र में बहुत काम हुआ है। नये व्यावसायिक पाठ्यक्रम, स्किल एजुकेशन के साथ यूनिवर्सिटी की संभावनाएं खुई विधानसभा क्षेत्र में हैं। मुख्यमंत्री डा मोहन यादव के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हम सभी की भागीदारी खुई के विकास की संभावनाओं को आगे बढ़ाएगी। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों में जिला पंचायत सीईओ, अपर कलेक्टर, एसडीएम मनोज चौरसिया हेमचंद्र बजाज, विजय जैन वट्टी, रामनिवास महेश्वरी, नन्हीबाई, राहुल चौधरी, देशराज यादव, मनोहर यादव अध्यक्ष, कल्लू यादव, राजू चंदेल, बलराम यादव, लक्ष्मण चंदेल, सोनू चंदेल, रामस्वरूप यादव, विनोद राजहंस, रश्मि सोनी, राशिद वेग, नीतिराज पटेल, अरशद अली, मोनू राजपूत, लाखन यादव, भूरे यादव, आसिक राईन, प्रवीण जैन, शैलेन्द्र चौहान, सोनू यादव, धर्मेंद्र असाटी, श्रीमती माधवी कुर्मी, श्रीमती अर्चना जैन, प्रतिभा पुरोहित, सरफराज भाईजान, श्रीमती निशा नागदेव, गब्बर सिंह, बिट्टू बधिया, हेमंत राजा, यागेश नामदेव, मनोज दुबे, नीति राज पटेल, काशीराम मास्टर, सहित सभी जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता, स्कूल संचालक, डाक्टर्स एसोसिएशन, कृषि उपकरण निर्माता एसोसिएशन, विभिन्न व्यापारी संघ के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विशेष अभियान में दिखी तकनीक, टीमवर्क और संवेदनशील पुलिसिंग की मिसाल

बैतूल (कमलाकर तायवाड़े)। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक बैतूल वीरेंद्र जैन के कुशल नेतृत्व में वर्ष 2025 के दौरान गुमशुदा नाबालिग बालिकाओं की सुरक्षित दस्तयाबी के लिए जिले में एक विशेष और व्यापक अभियान चलाया गया। इस अभियान में बैतूल पुलिस को उल्लेखनीय सफलता मिली, जिसमें कुल 159 गुम नाबालिग बालिकाओं को देश के विभिन्न राज्यों एवं मध्यप्रदेश के अलग- अलग जिलों से सकुशल दस्तयाब कर वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया। गुम नाबालिग बालिकाओं की खोज और सुरक्षित वापसी के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक बैतूल द्वारा विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया। अभियान की सतत निगरानी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी द्वारा की गई। जिले के सभी अनुभागों के एसडीओपी के निरंतर मार्गदर्शन में संबंधित थाना प्रभारियों एवं पुलिस स्टाफ ने गंभीरता,संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्यवाही को अंजाम दिया।वर्ष 2025 के दौरान बैतूल पुलिस ने जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से बड़ी संख्या में बालिकाओं को दस्तयाब किया,वहीं भोपाल, छिंदवाड़ा,इंदौर,उज्जैन, नर्मदापुरम,सीधी और शाजापुर जैसे मध्यप्रदेश के अन्य जिलों से भी बालिकाओं की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की गई। इसके साथ ही महाराष्ट्र के नासिक, नागपुर,औरंगाबाद, अमरावती और पुणे सहित गुजरात,दिल्ली, तेलंगाना,उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु,कर्नाटक और राजस्थान जैसे राज्यों से भी गुम नाबालिग बालिकाओं को खोजकर सुरक्षित रूप से बैतूल लाया गया।इस विशेष अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक तरीकों का प्रभावी उपयोग किया गया। मोबाइल लोकेशन ट्रैकिंग,तकनीकी विश्लेषण,सोशल मीडिया मॉनिटरिंग और स्थानीय मुखबिर तंत्र की मदद से बालिकाओं की लोकेशन का पता लगाया गया। दस्तयाबी की प्रत्येक कार्यवाही में संबंधित राज्यों की स्थानीय पुलिस का भी सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ,जिससे अभियान को गति और सफलता मिली।सभी दस्तयाब नाबालिग बालिकाओं के मामलों में वैधानिक प्रक्रिया का पूरी तरह पालन करते हुए उन्हें सुरक्षित रूप से उनके परिजनों को सौंपा गया। पुलिस की इस मानवीय और संवेदनशील पहल से परिजनों में राहत और विश्वास का माहौल बना।पुलिस अधीक्षक बैतूल वीरेंद्र जैन ने इस अवसर पर आम जनता से अपील करते हुए कहा कि वे बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और बच्चों से जुड़ी किसी भी संदिग्ध गतिविधि, असामान्य व्यवहार या उत्पीड़न की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि बैतूल पुलिस बच्चों के सुरक्षित भविष्य,महिलाओं की सुरक्षा और शांतिपूर्ण समाज के निर्माण के लिए सदैव सतर्क, संवेदनशील और प्रतिबद्ध है।अभियान में उत्कृष्ट और सराहनीय भूमिका निभाने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुलिस अधीक्षक बैतूल द्वारा सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। साथ ही भविष्य में भी इसी प्रकार लगन,मेहनत और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करते हुए आमजन की सुरक्षा और विश्वास को मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं।

स्कूलों और कॉलेजों में लगेगा विशेष कैंप, फॉर्म 6 से होगा नामांकन

बैतूल (कमलाकर तायवाड़े)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 कार्यक्रम के अंतर्गत बैतूल जिले में 9 एवं 10 जनवरी को विशेष मतदाता पंजीयन कैंपों का आयोजन किया जाएगा। अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर ऐसे सभी पात्र युवा,जिनकी आयु पूर्ण हो चुकी है और जो अभी तक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज नहीं करा सके हैं,उन्हें इस विशेष अभियान के माध्यम से मतदाता बनने का सुनहरा अवसर मिलेगा। यह विशेष कैंप जिले के हायर सेकेण्डरी स्कूलों, महाविद्यालयों एवं उच्च शिक्षा के अन्य शैक्षणिक संस्थानों में आयोजित किए जाएंगे,ताकि बड़ी संख्या में युवा मतदाताओं को सीधे उनके अध्ययन स्थल पर ही सुविधा मिल सके। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने इस अभियान को गंभीरता से लेते हुए जिले के सभी संबंधित अधिकारियों को समय रहते आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जयवंती हॉक्सर महाविद्यालय बैतूल लीड कॉलेज,जिला शिक्षा अधिकारी बैतूल, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग बैतूल सहित सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को विशेष कैंप के सफल आयोजन के लिए समन्वय के साथ कार्य करने को कहा है। साथ ही उन्होंने जिले के सभी पात्र युवाओं और ऐसे नागरिकों से अपील की है,जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाया है, कि वे निर्धारित तिथि पर विशेष कैंप में पहुंचकर प्रारूप 6 के माध्यम से आवेदन करें और अपने मताधिकार का उपयोग करने की दिशा में पहला कदम बढ़ाएं।उप जिला निर्वाचन अधिकारी मकसूद अहमद ने जानकारी देते हुए बताया कि इन विशेष कैंपों के माध्यम से पात्र युवा मतदाताओं के नाम फॉर्म 6,घोषणा पत्र एवं आवश्यक दस्तावेजों के आधार पर मतदाता सूची में जोड़े जाएंगे। जिले के सभी हायर सेकेण्डरी स्कूलों, महाविद्यालयों एवं उच्च शिक्षा संस्थानों और प्रशिक्षण केन्द्रों में एक-एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति की गई है। इन नोडल अधिकारियों द्वारा अपने-अपने संस्थानों में अध्ययनरत ऐसे छात्र- छात्राओं का चिन्हांकन पहले ही कर लिया गया है,जिनके नाम अभी निर्वाचक नामावली में दर्ज नहीं हैं। चिन्हांकित छात्र-छात्राओं को पहले से ही सूचित कर दिया गया है कि उन्हें मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए किन-किन दस्तावेजों की आवश्यकता होगी, ताकि वे विशेष कैंप के दौरान किसी प्रकार की असुविधा के बिना अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकें।उन्होंने आगे बताया कि 9 और 10 जनवरी को आयोजित होने वाले विशेष कैंपों में छात्र-छात्राएं अपने भरे हुए फॉर्म नोडल अधिकारी को सौंपेंगे। फॉर्म प्राप्त होने के बाद नोडल अधिकारी द्वारा ईसीआई नेट एप एवं voter.eci.gov.in पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन दर्ज किए जाएंगे। इसके पश्चात सभी आवेदन संबंधित विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में प्रेषित किए जाएंगे,जहां विधिवत परीक्षण और सत्यापन के बाद पात्र युवा मतदाताओं के नाम अंतिम रूप से मतदाता सूची में जोड़ दिए जाएंगे। इस विशेष अभियान से जिले में युवा मतदाताओं की संख्या बढ़ेगी और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक सशक्त एवं व्यापक आधार मिलेगा।

एक शाम शहीदों के नाम,शहीद दीपक यादव के 21वें शहादत दिवस पर 9 जनवरी को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

बैतूल (कमलाकर तायवाड़े)। जिले के वीर सपूत अमर शहीद दीपक यादव के 21वें शहादत दिवस के अवसर पर उनके अद्वितीय बलिदान को स्मरण करते हुए एक भव्य और गरिमामय आयोजन किया जा रहा है। एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन 9 जनवरी 2026 शुक्रवार को शाम 7 बजे से शहीद दीपक यादव चौक सदर बैतूल में किया जाएगा। यह आयोजन शहीदों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ ही युवा पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति और देशप्रेम की भावना को और अधिक सशक्त करने का संदेश देगा।

कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से आए ख्यातिप्राप्त कवि अपनी ओजस्वी और वीर रस से परिपूर्ण रचनाओं के माध्यम से शहीदों के शौर्य त्याग और बलिदान का गुणगान करेंगे। कवि सम्मेलन में भोपाल से वीर रस

के प्रख्यात कवि चौधरी मदन मोहन समर अपनी सशक्त प्रस्तुति देंगे वहीं इटारसी से ब्रज किशोर पटेल राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत रचनाओं से वातावरण को भावुक बनाएंगे। प्रभात पट्टन से पुष्पक देशमुख नर्मदापुरम से अरुण गढ़वाल बैतूल से ओज कवि सुनील पांसे पथरौटा से सतीश शमी तथा बैतूल बाजार से अजय पवार अपनी प्रभावशाली कविताओं के माध्यम से श्रोताओं को देशभक्ति की भावना से सराबोर करेंगे।शहीद दीपक यादव के बलिदान को याद करते हुए आयोजित इस कार्यक्रम में श्रद्धांजलि सभा का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें शहीद को नमन कर उनके परिवार और समस्त वीर जवानों के प्रति सम्मान प्रकट किया जाएगा। आयोजन समिति के अनुसार यह कवि सम्मेलन केवल साहित्यिक कार्यक्रम नहीं बल्कि शहीदों के प्रति समाज की सामूहिक श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक होगा जिसमें हर वर्ग के नागरिकों की सहभागिता अपेक्षित है।

शहीदों एवं देश के सैनिकों के सम्मान में आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अमर शहीद दीपक यादव को श्रद्धांजलि अर्पित करने की अपील शहीद दीपक यादव युवा मण्डल समिति एवं लाडो फाउंडेशन बैतूल द्वारा की गई है। आयोजनकर्ताओं ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे परिवार सहित कार्यक्रम में शामिल होकर शहीदों के प्रति अपने सम्मान और कृतज्ञता को व्यक्त करें और राष्ट्रभक्ति के इस अनुपम अवसर का साक्षी बनें।

अग्निकांड में पीड़ित युवती ने लगाई मुख्यमंत्री मोहन यादव से न्याय की गुहार

सागर(अनुराग शर्मा)। चांदामऊ अग्निकांड में पीड़ित युवती के एक बयान को सुनकर लोगों की रूह काप उठ रही हैं लेकिन पुलिस है कि आगजनी के मामले में अब तक चुप बैठी हैं जहां 4 दिसंबर से आज दिनांक तक लगभग 35 दिन बीत जाने के बाद भी मामले में पुलिस अब तक आगजनी पर कोई कार्रवाई नहीं कर सकी हैं और जिससे अब तक शासन प्रशासन से किसी भी प्रकार की कोई राहत या आर्थिक मदद नहीं मिली है जिसके पास अब ना रहने को मकान है और ना इलाज के पैसा वह अपनी मौसी के यहा रह रही है जिससे वह परेशान हैं और उसकी हालत दिनों दिन बिगड़ रही है जहां पीडिता का एक बयान आया है जिसमें पीड़ित युवती ने अब मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से न्याय की गुहार लगाइए कि हमें न्याय दिला दो अन्यथा इससे अच्छा यह होता कि जिस तरह हमारी दोनों भाइयों की मौत हो गई उसी तरह मेरी भी मौत हो जाती पीड़ित युवती का यह बयान लोगों में बड़ी चर्चा का विषय बना हैं तारीफ की बात है कि इतने बड़े मामले में एक तरफ पुलिस प्रशासन कार्रवाई नहीं कर रहा है तो दूसरी तरफ शासन प्रशासन से भी उस युवती की कोई मदद नहीं मिली हैं पीडित की मां ने स्पष्ट शब्दों में कहां है कि पूरे मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है लेकिन हमें न्याय चाहिए जिस तरह हमारे दोनों बेटों की आग में जलकर मौत हो गई इस तरह फहीम खान को भी फांसी की सजा होना चाहिए और उसका घर भी टूटना चाहिए क्योंकि 4 दिसंबर की रात फहीम खान ने फोन पर उसकी बेटी और मां को घर में आग लगाने की धमकी भी दी थी जिसके बयान पलटने दबाव के भी आरोप नरयावली पुलिस पर पीड़ित और उसकी मां ने लगाए हैं जिससे पुलिस ने पास्को एक्ट के तहत जेल भेजा है लेकिन आगजनी पर अब तक चुप बैठी है बरहाल इस पूरे मामले में हिंदू संगठनों की नजर बनी है जो न्याय दिलाने के लिए पीड़ित परिवार के साथ खड़े है

बैतूल जिले में SIR को लेकर शक्ति केंद्र स्तर पर बैठकों का दौर जारी

बैतूल (कमलाकर तायवाड़े)। मध्यप्रदेश के बैतूल जिले में भैंसदेही विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत एस.आई.आर. को लेकर संगठनात्मक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में प्रत्येक शक्ति केंद्र पर निरंतर बैठकों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि संगठन को मजबूत करते हुए आगामी रणनीति को प्रभावी रूप से लागू किया जा सके। इसी अभियान के तहत आज भैंसदेही विधानसभा क्षेत्र के हिडली मंडल अंतर्गत बाकुड बूथ पर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस बैठक में जिलाध्यक्ष सुधाकर पवार विशेष रूप से मौजूद रहे। उनके साथ हिडली मंडल (आठनेर) के मंडल प्रभारी प्रमोद महाले,विधायक प्रतिनिधि शिवदयाल आजाद,युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष पंकज वागद्रे,हेमराज वागद्रे, जनपद सदस्य शोभा मानकर,ग्राम पंचायत बाकुड की सरपंच मालती गुलाब उयके, सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष जितेंद्र उयके, हिडली की सरपंच रामा इवने सहित उमेश कुमरे,विनोद उयके, सचिन धाकड़ तथा मंडल के सभी बूथ अध्यक्ष, बूथ प्रभारी और वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे।बैठक के दौरान संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई और एस.आई.आर. से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया गया। वक्ताओं ने संगठन की मजबूती,बूथ स्तर पर सक्रियता और जनसंपर्क को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया। साथ ही आगामी कार्ययोजना को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए,जिससे आने वाले समय में संगठनात्मक गतिविधियों को और गति मिल सके। बैठक में मौजूद सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और तय किए गए लक्ष्यों को पूर्ण निष्ठा के साथ पूरा करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन सकारात्मक माहौल और जोश के साथ हुआ,जिससे यह स्पष्ट हुआ कि भैंसदेही विधानसभा क्षेत्र में संगठन लगातार सशक्त हो रहा हैं।

संत रविदास लोक स्मारक को मार्च तक पूर्ण करने का लक्ष्य, विधायक प्रदीप लारिया ने परखी गुणवत्ता

सागर(अनुराग शर्मा)। क्षेत्र के विकास और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए नरयावली विधायक इंजी.प्रदीप लारिया ने गुरुवार को नगर पालिका मकरोनिया के अंतर्गत बड़तूमा में 100 करोड़ से अधिक राशि से बनने जा रहे निर्माणाधीन 'संत रविदास लोक स्मारक' का निरीक्षण किया। इस दौरान विधायक लारिया ने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में अत्यधिक गतिशीलता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए, ताकि फरवरी-मार्च 2026 तक इस भव्य स्मारक के लोकार्पण की स्थिति बन सके।

समय सीमा और गुणवत्ता पर जोर

निरीक्षण के दौरान विधायक लारिया ने निर्माण एजेंसी और अधिकारियों को निर्देशित किया कि यह प्रोजेक्ट क्षेत्र की अस्मिता से जुड़ा है, अतः इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने निर्माणाधीन परिसर के समीप पीडब्ल्यूडी (PWD) सड़क का भी अवलोकन किया और आवागमन को सुगम बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

स्मारक का महत्व और सकारात्मक प्रभाव

यह स्मारक मात्र एक भवन नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र बनेगा। इसके पूर्ण होने से आध्यात्मिक गौरव संत शिरोमणि रविदास जी के विचार और उनकी शिक्षाएं जन-जन तक पहुँचेंगी।

पर्यटन और अर्थव्यवस्थाः इस भव्य लोक से क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन बढ़ेगा, जिससे स्थानीय रोजगार और व्यापार को नई ऊर्जा मिलेगी।

क्षेत्रीय विकासः मकरोनिया और बड़तूमा क्षेत्र की बुनियादी संरचना में सुधार होगा और इसे राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान मिलेगी।

विधायक इंजी. प्रदीप लारिया का लक्ष्य इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को निर्धारित समय सीमा (डेडलाइन 2026) के भीतर पूरा कराकर जनता को समर्पित करना है, जिससे सागर जिला आध्यात्मिक और सांस्कृतिक मानचित्र पर प्रमुखता से उभर सके।

ग्रामीणों की शिकायत पर पटवारी को किया कलेक्टर ने निलंबित

सागर(अनुराग शर्मा)। कलेक्टर संदीप जी आर ने बड़ी कार्यवाही करते हुए प्रकारणों को लंबित रखने, समय सीमा में कार्य न करने एवं हल्का में समय से उपस्थित न होने पर पटवारी सुनील सोनी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

बता दें कि कलेक्टर द्वारा प्रशासन के बेहतर संचालन एवं प्रशासन तक आमजन की सुलभ पहुंच हेतु आपका प्रशासन आपके द्वारा कार्यक्रम शुरू किया गया हैं जिसके तहत विकासखंड स्तर पर जनसुनवाई की जा रही है। इसी क्रम में जनसुनवाई शिविर केसली 06जनवरी को कलेक्टर संदीप जी आर के समक्ष ग्राम ढेंचुआ के कृषकों द्वारा पट्टे में प्राप्त भूमि के नक्शा तरमीम, सीमांकन, कब्जों के संबंध में शिकायतें एवं पटवारी हल्के में समय से उपस्थित न होने संबंधी शिकायतें प्राप्त हुई थी जिसके संबंध में संबंधित पटवारी सुनील सोनी द्वारा संतोषजनक जबाव प्रस्तुत नहीं किया गया। जिस पर पटवारी सुनील सोनी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

आईएमए का रहली में रक्तदान शिविर बना उम्मीदों का केंद्र

सागर(अनुराग शर्मा)। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) सागर एवं स्वास्थ्य विभाग सागर के संयुक्त तत्वावधान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) रहली में आयोजित रक्तदान शिविर ने मानवता और सामाजिक सरोकार की एक सशक्त मिसाल पेश की। शिविर की शुरुआत स्वयं आईएमए अध्यक्ष डॉ. तल्हा साद द्वारा रक्तदान कर की गई, जिसने कार्यक्रम को प्रेरणादायक संदेश दिया। उनके साथ मेडिकल स्पेशलिस्ट डॉ. जितेन्द्र सराफ एवं बीएमओ डॉ. बसंत नेमा ने भी रक्तदान कर आमजन को आगे आने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर मेडिकल स्पेशलिस्ट डॉ. जितेन्द्र सराफ ने कहा कि रक्तदान शल्य चिकित्सा, सड़क दुर्घटनाओं, प्रसूति आपात स्थितियों तथा कैंसर व एनीमिया जैसी गंभीर और दीर्घकालिक बीमारियों में जीवनरक्षक साबित होता है। उन्होंने बताया कि एक यूनिट रक्त को उसके विभिन्न घटकों–रेड ब्लड सेल्स, प्लाज्मा और प्लेटलेट्स–में विभाजित कर तीन जरूरतमंद मरीजों तक पहुंचाया जा सकता है, जिससे रक्तदान का महत्व कई गुना बढ़ जाता है।आयोजित रक्तदान केंद्र में 50 यूनिट से अधिक रक्तदान किया गया।

भिण्ड कलेक्टर ने जिले के समस्त स्कॉलो के कक्षा नर्सरी से कक्षा 8वीं तक के छात्रों का 09 जनवरी से 10 जनवरी तक अवकाश घोषित

भिण्ड (सतेंद्र यादव)। भिण्ड कलेक्टर ने जिले में वर्तमान में अत्यधिक सर्दी, शीतलहर एवं तापमान में आई गिरावट तथा मौसम विभाग के पूर्वानुमान को दृष्टिगत रखते हुए, भिण्ड जिला अन्तर्गत संचालित समस्त शासकीय/अशासकीय/सी.बी.एस.ई./आई.सी.एस.ई., माध्यमिक शिक्षा मंडल एवं समस्त बोर्ड से सम्बद्ध विद्यालयों की कक्षा नर्सरी से कक्षा 8वीं तक के छात्रों का दिनांक 09 जनवरी 2026 से दिनांक 10 जनवरी 2026 तक अवकाश घोषित किया है। विद्यालयीन शिक्षक/स्टाफ नियमित समय पर अपनी संस्था पर उपस्थित होकर अन्य शासकीय कार्य एवं प्रशासकीय दायित्वों का निर्वहन करेंगे। पूर्व से निर्धारित महत्वपूर्ण गतिविधियाँ तथा परीक्षाएं यथावत संचालित रहेंगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

भिण्ड आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विनिर्माण, संग्रह, विक्रय एवं अवैध परिवहन पर रोकथाम लगाने के लिए चलाया जा रहा है धर पकड़ अभियान

भिण्ड (सतेंद्र यादव)। भिण्ड कलेक्टर के निर्देशानुसार एवं जिला आबकारी अधिकारी के मार्गदर्शन में जिलें में अवैध मदिरा के विनिर्माण, संग्रह, विक्रय एवं अवैध परिवहन पर रोकथाम लगाने के संबंध में अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान वृत्त मेहगांव में संयुक्त दविश के दौरान ग्राम अडोखर में स्थित लाखन सिंह के मकान की विधिवत तलाशी लेने पर आरोपी लाखन सिंह से 67 पाव देशी मदिरा कुल 12.06 ब.ली. जप्त की गई, जिसकी कुल अनुमानित कीमत 4690 रूपये है। इसी अनुक्रम में वृत्त गोहद में मौ-ग्वालियर रोड़ पर आरोपी आकाश गुर्जर से 22 केन बोल्ट बीयर 04 केन किंगफिशर बीयर एवं 20 पाव ओल्डमोंक इस प्रकार कुल 16.6 ब.ली. मदिरा जप्त की गई एवं मौ ग्वालियर रोड़ पर यादव ढ़ाबा पर आरोपी सौरभ यादव से 20 पाव मेकडबल नं. 1 व्हिस्की व 16 पाव देशी मदिरा प्लेन इस प्रकार कुल 6.48 ब.ली. मदिरा जप्त की गई, दोनों प्रकरणों में जप्त मदिरा की अनुमानित कीमत 10500/- रूपये है। आरोपियों के विरूद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा के तहत प्रकरण दर्ज किये गये। इसी अनुक्रम में ढाबों होटलों पर सघन तलाशी/चैकिंग की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। उक्त कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक श्री नरेन्द्र कुमार प्रजापति श्री अजीत यादव, श्री कृष्ण कांत शर्मा एवं आबकारी आरक्षकगण श्री हरिओम शर्मा, श्री अवधेश सिंह भदौरिया, श्री रवि विसारिया, श्री राहुल सिंह भदौरिया, श्री जनक अर्गल का सराहनीय योगदान रहा।

भिंड किसानों की सुविधा के लिए खाद वितरण को सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए बिना टोकन के पुरानी गल्ला मंडी में मिलेगा खाद

भिंड (सतेंद्र यादव)। भिण्ड वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एवं जिला विपणन अधिकारी ने सभी कृषक बंधुओं को सूचित कर कहा है कि वर्तमान में रबी सीजन समापन की ओर है। किसानों की सुविधा एवं खाद वितरण को सुचारू बनाए रखने हेतु खाद वितरण केन्द्र में आंशिक परिवर्तन किया गया है 09 जनवरी 2026 (शुक्रवार) से खाद का वितरण नई गल्ला मंडी परिसर के स्थान पर पुरानी गल्ला मंडी परिसर विपणन सहकारी संस्था भिण्ड से किया जाएगा। जिन कृषक बंधुओं को खाद की आवश्यकता है, वे अपनी खेती की पात्रता अनुसार बिना टोकन के निर्धारित स्थल पर उपस्थित होकर प्रातः 10:30 से 5:30 बजे तक खाद प्राप्त कर सकते हैं। किसानों से अनुरोध है कि व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें।

चायनीज मांझे से घायल हुए ग्रेट एगरेट पक्षी को वन विभाग नें इलाज के बाद दोबारा तालाब में छोड़ा

गुना (रणधीर चंदेल)। गुना में कुछ युवकों को एक पक्षी धागे में उलझा हुआ दिखा जिज्ञासावश पास जाकर देखा तो वह पतंग के मांझे में उलझा हुआ था एवं माँझे से पंख में चोट के कारण वह घायल था. अधिकतर पानी में पाए जाने वाले पक्षी को धागे से निकाला व गुना दक्षिण वन परिक्षेत्र कार्यालय में आकर वन स्टाफ के हवाले किया. वन परिक्षेत्र अधिकारी हेमंत भार्गव ने घायल पक्षी को देखकर वन स्टाफ को इलाज कराने हेतु भेजा । इलाज के उपरांत भोजन की उपलब्धता की दृष्टि से सिंगवासा तालाब में पक्षी को छुड़वा दिया गया जानकारी लेने पर गुना रेंजर भार्गव ने बताया कि यह ग्रेट एग्रेट नामक पक्षी है जो अधिकतर जलाशय के पास ही पाया जाता है यह कीड़े मकोड़े खाकर पारिस्थितिक तंत्र को बनाए रखता है। परिक्षेत्र अधिकारी नें गुना नगर वासियों से अपील की कि पतंग उड़ाने में चाइनीस मांजे का उपयोग बिलकुल भी ना किया जाए चाइनीस मांझा वन्यजीवों के लिए ही नहीं बल्कि मनुष्यों के लिए भी जानलेवा साबित हो सकता है. गौरवतलब है कि गौरैया से लेकर विभिन्न प्रकार के मनुष्य मित्र पक्षी धीरे-धीरे अनेक कारणों से कम होते जा रहे हैं जो की बहुत चिंता का विषय है. हमें अधिक से अधिक पक्षी संरक्षण करना चाहिए और पक्षी अनेकों प्रकार से मानवों के लिए बहुत फायदेमंद है यह जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है. इस कार्य में परिक्षेत्र लिपिक नरेंद्र सिंह बैस, कंप्यूटर ऑपरेटर जय कुमार ओझा वनरक्षक मानवेंद्र सिंह, वनरक्षक अभिषेक ओझा, सुरक्षा श्रमिक मोहन लोधा वाहन चालक पप्पू चंदेल की अहम भूमिका रही .

मुख्यमंत्री जनदर्शन में दिव्यांगजनों को मिली राहत

मुख्यमंत्री ने प्रदान किया बैटरी ट्राइसिकल, व्हीलचेयर और श्रवण यंत्र

रायपुर । मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान दिव्यांगजनों की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ त्वरित समाधान किया। इस अवसर पर जरूरतमंद दिव्यांगजनों को बैटरी ट्राइसिकल, व्हीलचेयर एवं श्रवण यंत्र प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री श्री साय ने जनदर्शन में आरंग से आए श्री भारत साहू को बैटरी चालित ट्राइसिकल प्रदान किया, श्री साहू ने बताया कि

अब उन्हें कहीं आने-जाने के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। पहले किसी के समय मिलने पर ही वे बाहर जा पाते थे, जिससे उन्हें काफी परेशानी होती थी। बैटरी ट्राइसिकल मिलने से उनका जीवन अब कहीं अधिक सहज हो जाएगा।

इसी तरह खमतराई रायपुर निवासी श्री जीवन दास मानिकपुरी ने बताया कि उनका पैर बचपन से पोलियोग्रस्त है, आज उन्हें बैटरी ट्राइसिकल प्रदान की गई। श्री दास ने बताया कि जनदर्शन में उनकी समस्या का तत्काल समाधान हुआ। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सहायता से उनकी दैनिक दिनचर्या आसान हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने रायपुर के मोवा निवासी श्री चंदू यादव को ट्राइसिकल और सुश्री सुमन साहू को व्हीलचेयर प्रदान किया। जिसे पाकर दोनों के चेहरे खिल गए।

जनदर्शन के दौरान रायपुर निवासी श्री सागर नायक एवं श्री उमेश पटेल को श्रवण यंत्र भी प्रदान किए गए। श्री सागर नायक ने बताया कि बीते कुछ समय से उनकी श्रवण क्षमता पूरी तरह समाप्त हो गई थी, लेकिन कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण वे श्रवण यंत्र नहीं खरीद पा रहे थे। उनकी समस्या सुनते ही मुख्यमंत्री ने तत्काल श्रवण यंत्र उपलब्ध कराया। श्रवण यंत्र मिलने पर श्री उमेश पटेल ने मुख्यमंत्री श्री साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें फिर से सुनने की क्षमता मिल पाई है, उन्होंने मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता की प्रशंसा की।

अयोध्या बार एसोसिएशन चुनाव परिनाम परिणाम

अध्यक्ष - कालिका प्रसाद मिश्र
उपाध्यक्ष - राजेश उपाध्याय जी
कोषाध्यक्ष - अशोक कुमार दुबे
महामंत्री - शैलेंद्र कुमार जायसवाल
संयुक्त मंत्री प्रथम - मनोज कुमार सिंह
संयुक्त मंत्री द्वितीय - पीयूषमय त्रिपाठी

कार्यकारिणी
दुर्गा प्रसाद सिंह, पंकज कुमार द्विवेदी
कार्यकारिणी
अभय प्रताप सिंह, बद्री प्रसाद यादव
कार्यकारिणी
अमित कुमार वर्मा, रुद्र प्रकाश मिश्रा

भाकियू (तोमर) ने एसएसपी संजय वर्मा को सौंपा ज्ञापन

जगाहैड़ी टोल विवाद में दर्ज मुकदमे को बताया फर्जी

मुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन (तोमर) के पदाधिकारियों ने जगाहैड़ी टोल प्लाजा विवाद को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। संगठन ने तितावी थाने में किसानों पर दर्ज मुकदमा संख्या 305 को निराधार बताते हुए इसकी उच्चस्तरीय जांच कराकर निरस्त किए जाने की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया कि 21 दिसंबर को प्रस्तावित महापंचायत को प्रशासन के साथ सफल वार्ता के बाद स्थगित कर दिया गया था। इसके बाद संगठन के पदाधिकारी मात्र 15 मिनट के लिए जगाहैड़ी टोल प्लाजा पर रुके थे और सीओ फुगाना को ज्ञापन सौंपकर वापस लौट गए थे। इसके बावजूद तितावी पुलिस द्वारा तोड़फोड़, गाली-गलौज सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दिया गया, जबकि

मौके पर किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई।

भाकियू (तोमर) ने जगाहैड़ी टोल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। संगठन ने आरोप लगाया कि जनपद के अन्य तीन टोल प्लाजा पर कर्मचारी वर्दी और नेम प्लेट में रहते हैं, जबकि जगाहैड़ी टोल पर एनएचएआई की गाइडलाइंस की अनदेखी की जा रही है। आरोप है कि टोल कर्मी शराब पीकर यात्रियों व किसानों से अभद्र व्यवहार करते हैं। यूनियन ने सभी टोल कर्मियों का पुलिस वेरिफिकेशन कराने और किसी भी आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति को ड्यूटी पर न रखने की मांग की।

इसके साथ ही एनएचएआई के नियमों के तहत टोल प्लाजा के 15 किलोमीटर दायरे में आने वाले गांवों को टोल फ्री किए जाने की मांग उठाई गई। संगठन ने सीओ फुगाना को पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के आदेश देने तथा टोल प्रबंधन और किसान संगठन के बीच बैठक कराए जाने की भी मांग की, ताकि भविष्य में किसी प्रकार का टकराव न हो।

ज्ञापन के अंत में कहा गया कि भाकियू (तोमर) आंदोलन से पहले वार्ता के माध्यम से समाधान में विश्वास रखता है और उम्मीद जताई कि कप्तान साहब इस मामले का शीघ्र उचित निस्तारण करेंगे।

इस मौके पर जिला अध्यक्ष निखिल चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष कार्यकारिणी महबूब बालियान, युवा कार्यकारिणी प्रदेश प्रभारी हसीर चौधरी, जिला उपाध्यक्ष साऊद हसन, भूरा हाथी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

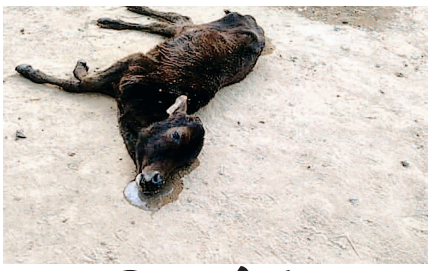

गौशालाओं में गौवंश कहीं तोड़ रहे दम, तो कहीं पड़े हैं 'बेदम'

गौशाला में अव्यवस्था के चलते हो रही गौवंश की मौत, इलाज के लिए तड़प रहीं गाय

सीधी (रवि शुक्ला)। प्रशासन की उदासीनता के कारण गौशाला की हालत चिंताजनक हो गई है.

गौवंश की सुरक्षा और हिफाजत के लिए भले ही शासन और प्रशासन करोड़ों रुपए खर्च कर दिए हों इसके बावजूद भी गौशाला की हालत गंभीर बनी हुई है, हजारों गौ वंश रोड में घूम रहे हैं कई सड़कों में ही दम तोड रही हैं तो कुछ हादसे के शिकार हो रही है।

इसके बावजूद भी कोई खास इंतजाम नहीं किया जा रहा है। गौशाला में कहीं गायों की मौत हो रही है तो कहीं ठंड में तड़प रहे हैं ,ऐसा ही मामला समदा गौशाला और मधुवन गौ शाला धनौर का सामने आया है जहां गौशाला में गायें भूख और प्यास से तड़प कर मार रही हैं. जिसे देखने के लिए ना तो कोई जनप्रतिनिधियों और ना ही कोई ग्राम पंचायत द्वारा ध्यान दिया जा रहा है. गौशाला को महिला समूह को देने के बाद गौमाता को भूख प्यास से तड़पते हुए मरने के लिए छोड़ दिया गया। ऐसा लगता है कि जिम्मेदारों द्वारा कभी निरीक्षण ही नहीं किया जाता होगा। या फिर कमीशन खोरी के चलते कभी जिम्मेदारों द्वारा कार्यवाही नहीं की जाती जो यह चिंताजनक बात है।

समूह के बस में नहीं गौशाला का संचालन

ग्राम पंचायत एजेंसी द्वारा भले ही महिला समूह को गौशाला की देखरेख का जिम्मा सौंपा गया हो, लेकिन महिला समूह द्वारा गायों की देखरेख सही तरीके से नहीं किया जा रहा है।

गौशाला में ना तो गायों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाता है और ना ही समय पर खाना और पानी की व्यवस्था की जाती है.साफ सफाई न होने से कई प्रकार की बीमारियां पशुओं को लग रही हैं.

जिसके चलते गौवंश तड़प तड़प कर मर रहे हैं। मामला चाहे जो कुछ भी यह तो जांच का विषय है लेकिन गौ शालाओं की हालत चिंताजनक है इसका कारण यह भी हो सकता है जिम्मेदार समूह संचालकों को खुली छूट दिए हैं। अब देखना यह होगा की खबर प्रकाशन के बाद क्या कुछ कार्यवाही या जांच होगी।

धनौर गौशाला में एक बछड़े की मौत

धनौर के मधुवन गौशाला की हालत बेहद दयनीय है. गौशाला की देखरेख का जिम्मा समूह को दिया गया है. देखरेख में इस कदर लापरवाही बरती गई, बुधवार को गौ शाला में ही एक बछड़े की मौत हो गई. गौशाला में बछड़ा मृत पड़ा मिला वहीं गौशाला में कोई भी कर्मचारी मौजूद नहीं था. गौशाला के अंदर लगभग एक दर्जन से ज्यादा पशु अंदर थे, लेकिन उनके खाना के लिए भी कुछ नहीं था अंदर एक एक तिनका बीनकर खा रहे थे भले ही गौशाला के बाहर पैरा रखा था।

समदा में गौशाला के पीछे तड़प रही थी गाय

समदा में स्थिति गौशाला क्रमांक 2 में भी लापरवाही देखने को मिली की जहां गौशाला की साफ सफाई नहीं थी गौशाला क्रमांक 2 गोबर से भरा पड़ा था ऐसा लगता था कई दिनों से सफाई नहीं की गई थी,भले ही मीडिया को देख वहां के कर्मचारी साफ सफाई करने लगे थे।वहीं उसके पीछे तालाब के पास एक गौवंश तड़प रही थी उसके नाक से खून बह रहा था जिसको देखने वाला कोई नहीं था, ऐसा लग रहा था की गौवंश कई दिनों से वहीं तड़प रही होगी। समदा गौशाला क्रमांक 2 में चारा काटने की रखी मशीन जंग खा रही है वहीं के कर्मचारियों ने बताया की लगभग सालों से रखी मशीन का उपयोग नहीं हुआ है।

भिण्ड/देहात थाना पुलिस ने गुम हुये 03 नाबालिग बालकों को खोजकर परिजनों को किया सुपुर्द

भिण्ड (सतेंद्र यादव)। भिण्ड पुलिस अधीक्षक डॉ.असित यादव के निर्देशन में व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव पाठक, नगर पुलिस अधीक्षक निरंजन सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में देहात थाना प्रभारी निरी. मुकेश शाक्य के नेतृत्व में गुम हुये बालक/बालिकाओं की पतासी जारी कर कल 7.जनवरी को भिण्ड दुर्गानगर हनुमान मन्दिर के पास से गुम हुये 3 नाबालिग बालक क्रमशः 10 वर्षीय, 11 वर्षीय, 13 वर्षीय को 12 घण्टे के अन्दर खोजकर उनके परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया रात्रि 07.जनवरी को फरियादिया शबनम भदौरिया नि0दुर्गानगर भिण्ड ने थाना आकर बताया कि मेरे दो बालक उम्र 10 वर्ष व 11 वर्ष तथा मोनू तोमर नि0दुर्गानगर भिण्ड का 13 वर्षीय बालक खेलने के लिये हनुमान मन्दिर दुर्गानगर भिण्ड पर गये थे जो लौट कर नहीं आये। हम लोगों ने उक्त तीनों बालकों को आसपास घूम फिर कर खूब तलाशा किया नहीं मिले। फरियादी की सूचना को थाना प्रभारी देहात निरी मुकेश शाक्य के द्वारा गम्भीरता से लेते हुये पुलिस टीम, डायल 112, रात्रि गश्त टीम को बच्चों की तलाश में लगा दिया गया। तथा कंट्रोल रूम भिण्ड व सीसीटीवी कंट्रोल रूम भिण्ड को हरकत में लेकर बच्चों की तलाश शुरू कर दी। फरियादी के सूचना देने के उपरान्त 12 घण्टे की कड़ी मशक्कत के बाद थाना देहात पुलिस द्वारा उक्त तीनों बालकों को गौरी के किनारे से आज सुबह 8 बजे खोज लिया। तत्काल फरियादी के परिजनों से सम्पर्क कर उन्हें गौरी के किनारे पेट्रोल पम्प पर बुलाया और बच्चों से पहचान करायी तो परिजनों ने अपने बच्चों को पहचान लिया और गले से लगा लिया कार्यवाही में निरी मुकेश शाक्य, उनि रत्ना जैन प्रआर इरशाद नबी, आर ज्ञानेन्द्र मिश्रा, अनुज छारी, अजय उपाध्याय, अवधेश चौहान, फिरोज खान, आजाद खान, धर्मेन्द्र राजौरिया आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही

कृष्णा इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी कर रहा है श्रमिकों का शोषण ड्राइवर एवं श्रमिक अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे

बृज भूषण श्रीवास्तव (जिला MCB छत्तीसगढ़)। जिला MCB छत्तीसगढ़ के SECL क्षेत्र चिरमिरी ओपन कास्ट में कृष्णा कंपनी के द्वारा ड्राइवर हेल्पर सुपरवाइजर वेल्डर और श्रमिकों के साथ कर रहा है ।

शोषण आपको बता दे कि कृष्णा कम्पनी चिरमिरी क्षेत्र में लगातार तीन चार सालो से कंट्रक्शन का काम किया जा रहा है जिसमें सैकडो लोग काम कर रहे हैं जिससे 12 घंटे पूरे 30 दिन काम कराया जाता हैं ना कोई नियुक्ति पत्र दिया गया ना कोई कंपनी का पहचान पत्र पूरे 30 दिन बारह बारह घंटे काम करने से परिवार के साथ समय ना बिता पाना घरेलू जरूरत का काम ना कर पाना हर श्रमिक तनाव ग्रस्त रहता है साथ ही कंपनी के द्वारा किसी प्रकार का मेडिकल सुविधाएं प्रदान नहीं कराया जाता है जिसे लेकर माँ भारती श्रमिक विकास संगठन के पदाधिकारी एवं श्रमिक अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे 12 सूत्रीय मांगों को भी लेकर माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं जिला कलेक्टर , एसईसीएल क्षेत्रीय महाप्रबंधक, एवं एसडीम चिरमिरी ,चिरमिरी थाना में ज्ञापन दिया गया माँ भारती श्रमिक संगठन के पदाधिकारी हमाम मिश्रा ने बताया कि हमने पहले भी 3/10/2025 को पत्राचार के माध्यम से इन सारी मांगों को रखा था समय अवधि के अनुसार कंपनी के द्वारा अब तक किसी प्रकार का निर्णय नहीं लिया गया

हमाम मिश्रा ने बताया कि श्रमिकों को वेतन भुगतान में देरी इपीएफ से जुड़ी अनियमितता, अवकाश के नियमों कि अनदेखी और सुरक्षा इंतजामों कि कमी से श्रमिकों का शोषण हो रहा है संगठन ने प्रशासन से हस्तक्षेप कर हाई पावर कमेटी की सिफारिश को लागू करने की मांग की है

आस्था बनाम सियासत! श्री सिद्ध बाबा मऊ मेला ग्राउंड पर संकट

सरपंच संघ का सरकार पर सीधा आरोप, SDM को सौंपा ज्ञापन

मैहर(त्रिवेणी पाण्डेय)। के प्राचीन आस्था केंद्र श्री सिद्ध बाबा मऊ मेला ग्राउंड को लेकर अब मामला केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह खुला राजनीतिक टकराव बनता नजर आ रहा है। सरपंच संघ मध्यप्रदेश ने प्रशासन और सरकार की मंशा पर सीधे तौर पर सवाल खड़े करते हुए स्थरू को ज्ञापन सौंपा है।

सरपंच संघ का आरोप है कि 100 से 150 गांवों की आस्था का केंद्र रहे इस ऐतिहासिक स्थल को राजनीतिक दबाव में खत्म करने की साजिश रची जा रही है। वर्षों से जहां धार्मिक आयोजन, विशाल भंडारे, मेले और विवाह संस्कार संपन्न होते आए

हैं, उसी मेला ग्राउंड पर अब कब्जे और निर्माण की कोशिशें की जा रही हैं।

संघ ने धर्मस्व मंत्री को स्थरू के माध्यम से भेजे ज्ञापन में स्पष्ट किया है कि लाखों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ी भूमि को जानबूझकर विवादित बनाया जा रहा है, जबकि मेला ग्राउंड के आसपास पर्याप्त शासकीय भूमि उपलब्ध है। इसके बावजूद केवल इसी धार्मिक स्थल को निशाना बनाया जाना राजनीतिक दुर्भावना को उजागर करता है।

बसंत पंचमी पर 23, 24 और 25 जनवरी को प्रस्तावित विशाल धार्मिक आयोजन को लेकर भी अब तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। सरपंच संघ ने साफ चेतावनी दी है कि यदि आस्था केंद्र को किसी भी प्रकार का नुकसान पहुंचाया गया तो ग्रामीण स्तर पर बड़ा आंदोलन खड़ा हो सकता है।

सरपंच संघ का दो टूक कहना है कि 'आस्था के केंद्र को उजाड़ने की कोशिश किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि सरकार ने समय रहते हस्तक्षेप नहीं किया, तो यह मुद्दा सड़क से सदन तक ले जाया जाएगा। '

अब सवाल यह है कि सरकार आस्था की रक्षा करेगी या फिर सियासत के दबाव में एक प्राचीन धार्मिक केंद्र को खतरे में डालने देगी।ज्ञापन पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे, जिनमें विष्णुध 'उरमालिया, एडवोकेट अतुल द्विवेदी, एडवोकेट दिलीप त्रिपाठी, एडवोकेट राजीव शुक्ला,एडवोकेट राजेश दुबे, एडवोकेट प्रदीप द्विवेदी, एडवोकेट पंकज तिवारी, एडवोकेट बालेंद्र सिंह, एडवोकेट अशोक तिवारी, एडवोकेट अमित त्रिपाठी,अभिषेक तिवारी, एडवोकेट योगेश गौतम,एडवोकेट राजेश गौतम, एडवोकेट ओम प्रकाश तिवारी, महेंद्र त्रिपाठी,सोनू तिवारी, श्यामु गौतम, रमाकांत पटेल सरपंच जुरा, रिंकू गुप्ता, राहुल मिश्रा,बब्लू गौतम सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

वन विभाग ने सागौन गिली लड़की परिवहन करते हुऐ ट्रेक्टर सहित दो लोगों को पकड़ा

नीमच(नरेन्द्र गहलोत)। वनपरिक्षेत्र रतनगढ़ अंतर्गत मुखबिर की सूचना पर एस.के. अटोदे वनमण्डलाधिकारी वनमण्डल नीमच, दशरथ अखण्ड उपवनमण्डलाधिकारी नीमच एवं प्रतापलाल गेहलोत वन परिक्षेत्राधिकारी रतनगढ़ के मार्ग दर्शन में सागौन प्रजाति के अवैध परिवहन पर सख्त कार्यवाही करते हुए ग्राम पांडुकुडी बसस्टेंड पर राजस्व क्षेत्र से सागौन की गिली लकडी से भरा हुआ ट्रेक्टर मय ट्राली, ट्रेक्टर क्रमांक MP-70-3305 बापूलाल दायणा वनपाल परिक्षेत्र सहायक ताल, अजय तौमर कार्यवाहक वनपाल प.स. बाणदा, सदाशिव धाकड वनरक्षक बीट धारडी, एवं नयन मालवीय वनरक्षक बीट पाटन, निरंजन पाराशर वनरक्षक बीट उमर, लालाराम वनरक्षक बीट भगवानपुरा एवं सुरक्षा श्रमिक द्वारा जप्त कर आरोपी 1. धर्मराज पिता मांगीलाल भील उम्र 23 वर्ष निवासी पलासिया, तह. सिंगोली जिला नीमच 2. विष्णु पिता श्यामलाल मेहर उम्र 21 वर्ष निवासी पलासिया, तह. सिंगोली जिला नीमच को गिरफ्तार कर भारतीय वन अधिनिय 1927 की धारा 46 एवं म.प्र. वनोपज व्यापार विनियमन 1969 की धारा 5 के तहत वन अपराध प्रकरण क्रमांक 214/09 दिनांक 06.01.2026 पंजीबद्ध कर नियमानुसार कार्यवाही की गई है।

श्रीमद् भागवत कथा का भव्य समापन, पूर्णाहुति व विशाल भंडारे में उमड़े श्रद्धालु

नगर की जगन्नाथपुरी झवर कॉलोनी में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का अंतिम दिन भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। निंबार्काचार्य श्री श्रीजी महाराज श्री श्यामशरण देवाचार्य के सान्निध्य में कथा के अंतिम दिन विधिविधान से पूर्णाहुति एवं हवन संपन्न कराया गया। हवन में यजमान जितेंद्र यादव सपत्नी हवन में बैठक कर आहुति दी। इस दौरान पूर्णाहुति में कई श्रद्धालुओं ने आहुति डाली ।

कथा के दौरान निंबार्काचार्य श्री श्रीजी महाराज ने भागवत कथा के सार को बताते हुए कहा कि भागवत कथा मानव जीवन को सत्य, धर्म, करुणा और भक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं हमें जीवन में प्रेम, सेवा और समर्पण का संदेश देती हैं। उन्होंने कहा कि भागवत कथा श्रवण से मनुष्य के समस्त कष्ट दूर होते हैं और जीवन पावन होता है।

कथा समापन अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें नगर सहित आसपास क्षेत्र के दस हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। भंडारे में सेवाभाव से कार्य कर रहे कार्यकर्ताओं की सराहना भी की गई।

अंतिम दिन कथा स्थल पर नगर के जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष बसंती बाई यादव, संजय यादव, जितेंद्र यादव, कसरावद विधायक सचिन यादव, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष ओम सोनी, विकास आर्य, अरुण चौधरी, संजय यादव, प्रखर शर्मा, परमानंद अग्रवाल, चतुरु प्रजापति सहित अन्य अतिथियों ने भागवत पोथी का पूजन कर श्री श्रीजी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया।

कथा समापन पर आयोजकों एवं श्रद्धालुओं ने संत श्री के प्रति आभार व्यक्त किया। पूरे आयोजन के दौरान नगर में आध्यात्मिक एवं भक्तिमय वातावरण बना रहा। कथा के सफल आयोजन में स्थानीय श्रद्धालुओं, सेवाभावी संस्थाओं एवं युवाओं का विशेष योगदान रहा।

अमरोहा के सन प्लाजा मार्केट में भीषण आग, करीब 20 दुकानें चपेट में

अमरोहा। शहर के सन प्लाजा मार्केट में मंगलवार को अचानक भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते करीब 20 दुकानें उसकी चपेट में आ गईं। घटना के समय मार्केट में मौजूद दुकानदारों और ग्राहकों में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाकर बाहर की ओर भागे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का कार्य शुरू किया गया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने की कोशिश की गई। यह घटना अमरोहा कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत अमरोहा-बिजनौर रोड स्थित सन प्लाजा मार्केट की है। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि आग से दुकानों में रखा सामान जलकर खाक हो गया, जिससे लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। मौके पर प्रशासन और फायर ब्रिगेड की टीम मौजूद रही। आग लगने के सही कारणों की जांच की जा रही है।

ग्रामीण भारत के लिए नए युग की शुरुआत है, VB-G RAM G अधिनियम, 2025 - सुश्री भूरिया

नीमच।

प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि, ग्रामीण भारत के लिए नए युग की शुरुआत है, विकसित भारत- ग्रामीण आजीविका मिशन गारंटी अधिनियम, 2025। इस अधिनियम में हर परिवार को 125 दिनो के रोजगार की गारंटी है।

VB-G RAM G योजना विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। गरीब, जनजाति और पिछड़े वर्गों को रोजगार प्रदान करने के लिए उक्त कानून लाया जा रहा है, जो महात्मा गांधी की भावना के अनुरूप है। योजना में हर ग्रामीण परिवार को साल में 125 दिन की रोजगार गारंटी मिलेगी, जिसमें वन क्षेत्र में काम करने वाले को 25 दिन अतिरिक्त रोजगार मिलेगा।

मनरेगा पर खर्चः केंद्र सरकार ने मनरेगा पर 11.74 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जो सबसे अधिक है। नए कानून में जल संरक्षण, बुनियादी ढांचा निर्माण, और आजीविका संबंधी कार्य प्रमुख शामिल हैं। बुआई और कटाई के मौसम में कामः 60 दिनों तक काम बंद रहेगा, लेकिन मजदूरी की कमी नहीं होगी। प्रभारी मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि,भारत सरकार ने ग्रामीण रोजगार परिदृश्य को पूरी तरह से बदलने के लिए विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन की गारंटी (VB-G RAM G) अधिनियम, 2025 को लागू किया है। यह ऐतिहासिक कानून पूर्ववर्ती MGNREGA का स्थान लेने जा रहा है। जहाँ पुरानी व्यवस्था राहत केंद्रित थी, वहीं नया अधिनियम रोजगार को 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य के साथ एकीकृत करता है। बढ़ी हुई रोजगार गारंटीः प्रत्येक ग्रामीण परिवार के लिए अकुशल मजदूरी रोजगार की कानूनी गारंटी को सालाना 100 दिनों से बढ़ाकर अब 125 दिन कर दिया गया है। कृषि क्षेत्र के साथ समन्वयः किसानों के हितों की रक्षा के लिए, राज्य अब बुवाई और कटाई के दौरान 60 दिनों का 'कार्य विराम' घोषित कर सकते हैं। इससे कृषि क्षेत्र में श्रम की कमी की समस्या दूर होगी। रणनीतिक कार्य श्रेणियांः कार्यों को चार महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बांटा गया हैः जल सुरक्षा, ग्रामीण बुनियादी ढांचा, आजीविका संपत्तियां और जलवायु संरक्षण। समयबद्ध भुगतानः मजदूरी का भुगतान साप्ताहिक आधार पर करना अनिवार्य है। देरी की स्थिति में, श्रमिकों को स्वतः मुआवजा दिया जाएगा। पारदर्शिता और नव तकनीकों का प्रयोग डिजिटल पहचानः बायोमेट्रिक उपस्थिति, जियो-टैगिंग और सैटेलाइट इमेजरी को कानून का हिस्सा बनाया गया है। एआई (AI) निगरानीः धोखाधड़ी का पता लगाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित विश्लेषण का उपयोग किया जाएगा। सोशल ऑडिटः हर छह महीने में अनिवार्य डिजिटल साक्ष्यों के साथ सोशल ऑडिट किया जाएगा। वित्तीय ढांचा और शासन फंडिंग मॉडलः केंद्र और राज्यों के बीच खर्च का अनुपात 60:40 होगा (पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों के लिए 90:10)7 प्रशासनिक व्ययः बेहतर कार्यान्वयन और तकनीकी विशेषज्ञता के लिए प्रशासनिक खर्च की सीमा को 6% से बढ़ाकर 9% किया गया है।

डिजिटल एकीकरणः ग्रामीण योजनाओं को अब पीएम गति शक्ति और 'विकसित भारत नेशनल रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर स्टैक' से जोड़ा गया है ताकि परिसंपत्ति निर्माण में दोहराव न हो। VB-G RAM G अधिनियम, 2025 केवल एक योजना नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण भारत में जवाबदेही, गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे और आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की एक नई प्रतिबद्धता है। यह अधिनियम ग्रामीण नागरिकों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदार बनाता है। इस मौके पर विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा, विधायक नीमच श्री दिलीप सिह परिहार, मनासा श्री अनिरूद्ध मारू, जिला पंचायत अध्?यक्ष श्री सज्?जनसिह चौहान, जिला अध्?यक्ष श्रीमती वंदना खण्?डेलवाल, कलेक्?टर श्री हिमांशु चंद्रा, अन्?य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण उपस्थित थे।

कलेक्टर ने जनजातीय कन्या आश्रम बघाड़ी में किया रात्रि विश्राम

बच्चों के साथ जमीन पर बैठकर किया भोजन एवं किया आश्रम की व्यवस्थाओं का निरीक्षण

कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने बीती रात शासकीय जनजातीय कन्या आश्रम बघाड़ी मे रात्रि विश्राम किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने छात्राओं को दी जा रही मूलभूत सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने शयन कक्षों की स्वच्छता, पेयजल की उपलब्धता और सुरक्षा व्यवस्था की जांच की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि छात्राओं को रहने और पढ़ने में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।निरीक्षण का सबसे

विशेष पल वह रहा जब कलेक्टर श्रीमती सिंह ने बच्चों के बीच पहुंचकर उनके साथ जमीन पर बैठकर भोजन किया। भोजन की गुणवत्ता स्वयं परखने के साथ ही उन्होंने बच्चों से खुलकर बात की।उन्होंने बच्चों से उनके शौक, खेलकूद और भविष्य के लक्ष्यों के बारे में संवाद किया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं से पूछा कि क्या उन्हें आश्रम में कोई समस्या आ रही है। कलेक्टर के इस आत्मीय व्यवहार से आश्रम की छात्राएं उत्साहित नजर आईं ,उन्होंने आगे बढ़ कर अपना परिचय दिया और दैनिक गतिविधियों उनके बारे में भी बताया।श्रीमती सिंह ने छात्राओं को मन लगाकर पढ़ने और जीवन में ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

नववर्ष पर अशोकनगर पुलिस का आमजन को विशेष उपहार

सायबर सेल द्वारा गुम हुए 79 मोबाइल फोन सर्च कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे

अलीम डायर अशोकनगर। नववर्ष के अवसर पर पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में सायबर सेल अशोकनगर द्वारा आमजन के गुम हुए 79 मोबाइल फोन सर्च कर उनके वास्तविक मालिकों को लौटाकर विशेष उपहार प्रदान किया गया। सर्च किए गए 79 मोबाइल फोन की कुल अनुमानित कीमत लगभग 08 लाख रुपये आँकी गई है।

पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा द्वारा नववर्ष के अवसर पर आमजन के गुम हुए मोबाइल फोन सर्च कर उनके मालिकों को वापस किए जाने के निर्देश सायबर सेल अशोकनगर एवं जिले के समस्त थाना प्रभारियों को दिए गए थे। इसी क्रम में सायबर सेल एवं सभी थानों के संयुक्त प्रयास से जिले के नागरिकों के गुम हुए मोबाइल फोन सर्च किए जाकर अशोकनगर सहित अन्य जिलों एवं राज्यों से बरामद किए गए।

दिनांक 08.01.2026 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक जिला अशोकनगर श्री राजीव कुमार मिश्रा द्वारा मोबाइल फोन उनके मालिकों को सौंपे गए। इस अवसर पर नागरिकों के चेहरों पर खुशियाँ लौट आईं।

वर्तमान में गुम हुए मोबाइल फोन सर्च की सुविधा जिले के सभी थानों पर उपलब्ध करा दी गई है। अब नागरिकों को सायबर सेल कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं है। गुम मोबाइल की शिकायत संबंधित थाने में निम्न दस्तावेजों जैसे आवेदन पत्र, आधार कार्ड, मोबाइल फोन का बिल के साथ की जा सकती है। इसके अतिरिक्त नागरिक स्वयं भी निम्न पोर्टल के माध्यम से गुम मोबाइल की शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

पुलिस अधीक्षक अशोकनगर श्री राजीव कुमार मिश्रा द्वारा इस सराहनीय कार्यवाही हेतु सायबर सेल एवं थानों की टीम को पुरस्कृत किए जाने की घोषणा की गई है तथा भविष्य में भी इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

बदमाश ने रिसोर्ट में कमरा खुलवाने की जिद की जब कर्मचारियों ने मना किया तो बदमाश ने कुल्हाड़ी से तोड़फोड़ कर आतंक मचा दिया

ग्वालियर (रोबिन जैन)। एक बदमाश रिजॉर्ट पर रंगदारी करने पहुंच गया। बदमाश ने रिसोर्ट में कमरा खुलवाने की जिद की, जब कर्मचारियों ने मना किया तो बदमाश ने कुल्हाड़ी से तोड़फोड़ कर आतंक मचा दिया। बवाल बढ़ता देख कर्मचारी अपनी जान बचाकर भाग निकले, ये पूरी घटना CCTV में कैद हुई ,शिकायत मिलने पर पुलिस ने केस दर्ज कर बदमाश को अरेस्ट कर लिया है।

सिरोल हाईवे पर बने कैलाशा रिसॉर्ट पर बुधवार को

राहुल शर्मा नामक युवक जबरन घुस आया। राहुल रिसोर्ट में कमरा खोलने के लिए जिद करने लगा। स्टाफ ने रोकने का प्रयास किया तो राहुल हंगामा करने लगा। रिसोर्ट के गार्ड और स्टाफ ने बीच बचाव किया लेकिन आरोपी राहुल ने वहां पर रखी कुल्हाड़ी उठाई और स्टाफ पर हमला करने लगा। मामला बढ़ता देख कर्मचारी वहां से जान बचाकर भाग निकले और सिरोल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी राहुल शर्मा शातिर बदमाश है। राहुल पर लूट-डकैती सहित गंभीर मामले दर्ज हैं। राहुल ने कुछ दिन पहले दतिया में हंगामा किया था, वहां भी उस पर मामला दर्ज हुआ था।

नौकरी नहीं मिली तो अमिलिया के भाई बहन बन गए डॉक्टर, और खोल ली बिना डिग्री के फर्जी क्लीनिक

मैहर । मैहर जिले में यूं तो कहे झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार पड़ी है मगर इन सबसे हटकर एक ऐसा मामला देखने को सामने आ रहा है। जहाँ नौकरी की तलाश मे भटकते हुए जब कुछ हाथ नहीं लगा तो सबसे आसान काम ढूढ़ कर क्लीनिक की दुकान खोल कर बैठ गए, ग्राम अमिलिया थाना बदेरा थाना अंतर्गत उमेश पटेल जो की अपने आप को बिना पढ़ाई किये ही बात रोग का स्पेस्लिस्ट बता रहा है। इसके चौखट मे पहुचे भोली भाली जनता को दर्द का सबसे हैवी डोज दवाई दी जा रही है, लगातार 6माह का कोर्स बताकर लोगो को बात रोग से मुक्ति दिलाने की कसम खाता फिरता है। ईस दवाई के सेवन करने के बाद दूसरी दवाई का शरीर मे असर खत्म हो जाता है कारण (हैवी डोज) इस फर्जी व्यक्ति की एक और खासियत यह है की पर्दे के पीछे छुप कर एक गुप्त इंजेक्शन भरता है और मरीजों को लगाता है। कुछ मरीजों से मिली जानकारी के अनुसार यह इंजेक्शन भी काफी हैवी डोज का बताया जा रहा है जो हर 10 दिन में लगाने को बोलकर 10-10 दिन में मरीजों को बुलाकर मरीजों से पैसे येठने का काम किया जाता है। ऐसा ही इसका खेल 6 महीने तक लगातार चलता है। जिसके चलते एक मरीज से एक बार में 600 से 700 रुपए तक की लूट मचाता है जो की 6माह मे 35से 40हजार रु प्रति व्यक्ति से वसूलता है। ईस काम मे यह अकेला नहीं है इसमें इसकी बहन भी बराबर का साथ देती नजर आती है। भाई बहन मिलकर लोगों को चूना लगाकर 30 लाख की स्कॉर्पियोह, ट्रेक्टर, बंगला तक का निर्माण कर लिया और जनता इन्हें भगवान समझकर ईनके हाथो लूटने को शहडोल अनूपपुर, उमरिया रीवा कटनी तक से पहुँचती है। ईस मामले की शिकायत कलेक्टर एवं सीएमएचओ अधिकारी से कर दी गई है। जल्द ही इन भाई बहन के द्वारा चल रहा लूट खसोट और जनता को चुना लगाने वाले अवैध कार्य का भंडाफोड़ होगा तब तक इस फर्जी डॉक्टर से सावधान रहे और इसके द्वारा दी गई दवाइयों की सत्यता किसी रजिस्टर्ड सर्टिफाइड डॉक्टर से करवाने के बाद ही इंजेक्शन व दवाइयो का सेवन करे

खोर फेक्ट्री में नष्ट किया गया 8 हजार किलो अफीम भूसा

नीमच। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने जावद तहसील के नयागांव खोर स्थित फैक्ट्री परिसर में जब्त मादक पदार्थों को विधिवत नष्ट किया। सीबीएन नीमच कार्यालय के अनुसार, कुल 31 प्रकरणों में जब्त मादक पदार्थ नष्ट किए गए। इसमें 8052.803 किलोग्राम अफीम भूसा (26 मामलों से 721 पैकेट), 1.917 किलोग्राम मॉर्फिन (4 मामलों से 11 पैकेट) और 0.707 किलोग्राम कटी हुई अफीम की पौध (1 मामले से 25 पौध) शामिल थे। यह प्रक्रिया नयागांव खोर स्थित अधिकृत फैक्ट्री में पूरी की गई। इस दौरान सभी कानूनी प्रक्रियाओं और पर्यावरण मानकों का पालन किया गया। साथ ही, 12 अन्य प्रकरणों में जब्त 71.28 किलोग्राम अफीम को नियमानुसार गवर्नमेंट ओपियम एंड अल्कलॉइड वर्क्स (GOAW), नीमच में जमा करने की प्रक्रिया जारी है।

रैन बसेरा खाली, स्टेशन पर ठंड में रात गुजारने को मजबूर मुसाफिर

प्रचार-प्रसार के अभाव में रेलवे स्टेशन व बस स्टैंड पर नहीं मिल रही रैन बसेरे की जानकारी

अनूपपुर (प्रकाश तिवारी)।

सर्द मौसम में मुसाफिरों, बेघर और भिक्षावृत्ति करने वाले लोगों को ठंड से राहत देने के उद्देश्य से जिले के नगरीय निकाय क्षेत्रों में रैन बसेरों का संचालन किया जा रहा है।

जिला मुख्यालय सहित जिले के 9 नगरीय निकाय क्षेत्रों में रैन बसेरे संचालित हैं, लेकिन प्रचार-प्रसार और जानकारी के अभाव में इनका लाभ जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच पा रहा है।

स्थिति यह है कि रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर आज भी मुसाफिर खुले आसमान के नीचे ठंडी रात गुजारने को मजबूर हैं, जबकि रैन बसेरे पूरी तरह खाली पड़े हैं।

रैन बसेरे में एक भी मुसाफिर नहीं

बुधवार मध्य रात्रि पत्रिका प्रतिनिधि द्वारा जिला मुख्यालय स्थित रैन बसेरे का निरीक्षण किया गया। यहां महिला एवं पुरुष यात्रियों के लिए 25-25 बिस्तरों की व्यवस्था की गई है, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से दोनों ही विंग में एक भी मुसाफिर मौजूद नहीं था।

महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल

रैन बसेरे में महिलाओं के रुकने की व्यवस्था तो है, लेकिन यहां किसी भी महिला अटेंडर की नियुक्ति नहीं की गई है। पूरा संचालन एक पुरुष अटेंडर के भरोसे चल रहा है। चौकीदार ओमप्रकाश ने बताया कि उनकी ही ड्यूटी यहां लगाई गई है, महिला अटेंडर के संबंध में अधिकारी ही जानकारी दे सकते हैं। अब तक एक भी महिला यात्री यहां रुकने नहीं पहुंची है।

सीसीटीवी बंद, शौचालय में अंधेरा

सुरक्षा के लिए लगाए गए सीसीटीवी कैमरे बंद मिले। ऐसे में महिलाओं एवं यात्रियों के सामान की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं शौचालय परिसर में लगा बल्ब खराब होने के बाद अब तक बदला नहीं गया, जिससे रात में अंधेरा बना रहता है।

रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड या नगर के प्रमुख स्थानों पर रैन बसेरे से संबंधित कोई सूचना, होर्डिंग या दिशा-सूचक बोर्ड नहीं लगाया गया है। ऐसे में बाहर से आने वाले मुसाफिर और बेघर व्यक्ति इस सुविधा की जानकारी ही नहीं पा रहे हैं। गौरतलब है कि पूर्व में समय-सीमा बैठक के दौरान कलेक्टर द्वारा रैन बसेरों की व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन इसके बावजूद नगर पालिका स्तर पर कोई ठोस सुधार नजर नहीं आ रहा है।

मैहर जिले के ग्राम जरियारी से बिजली विभाग की लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि नादन डीसी के अंतर्गत पदस्थ सहायक लाइनमैन राजकुमार पटेल ड्यूटी के दौरान शराब के नशे में काम करते हैं। गांव वालों के अनुसार यह उनका रोज का रवैया बन चुका है, जिससे उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार दो-दो दिन तक बिजली आपूर्ति बाधित रहती है। ग्रामीणों ने इस स्थिति पर नाराजगी जताते हुए विभागीय अधिकारियों से सख्त कार्रवाई की मांग की है। अब देखना होगा कि बिजली विभाग इस लापरवाही पर क्या कदम उठाता है।

पति-पत्नी के विवाद में पुलिस की बर्बरता ?

112 कॉल के बाद आरक्षक पर युवक की बेरहमी से पिटाई का आरोप

शहडोल (अविनाश शर्मा)।

जिले के खैरहा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम अरझुला कालोनी में एक घरेलू विवाद उस समय बड़ा विवाद बन गया, जब पति-पत्नी के आपसी झगड़े में पुलिस की भूमिका सवालों के घेरे में आ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उत्तम कुमार साहू, निवासी अरझुला, कालोनी का अपनी पत्नी से घरेलू विवाद चल रहा था।

इसी दौरान पत्नी ने मदद के लिए पुलिस सहायता केंद्र 112 पर कॉल कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके

पर पहुँची, लेकिन आरोप है कि मदद करने के बजाय वहां मौजूद आरक्षक रवि, जो खैरहा थाने में पदस्थ है, ने उत्तम कुमार साहू के साथ जमकर मारपीट कर दी। पुलिस की इस कथित पिटाई के बाद उत्तम कुमार साहू की हालत इतनी खराब हो गई कि वे ठीक से खड़े तक नहीं हो पा रहे थे।स्थानीय लोगों का कहना है कि– 'अगर पुलिस की मार से अच्छे-अच्छे लोग नहीं उठ पाते, तो एक आम आदमी उत्तम साहू कैसे संभल पाता।।

घटना के बाद बयान ने खोली हकीकत

घटना के बाद पीड़ित उत्तम कुमार साहू का बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने पूरी आपबीती बताते हुए पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि वे मदद की उम्मीद में थे, लेकिन उन्हें न्याय के बजाय लाठियों का सामना करना पड़ा।

इस घटना ने एक बार फिर पुलिस सवाल खड़ा कर दिया है

घरेलू विवादों में पुलिस का काम समझाना और सुलह कराना होना चाहिए।।अगर वही पुलिस हाथ उठाने लगे, तो आम नागरिक किससे न्याय की उम्मीद करे? *स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर आरोप सही पाए जाते हैं, तो संबंधित आरक्षक के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी वर्दी की आड़ में कानून को हाथ में लेने की हिम्मत न करे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं प्रधान संपादक अजय पाल मो. 9754915315 द्वारा ईशान ग्राफिक्स, 320-एम फर्स्ट अयोध्यानगरी, नंदानगर इन्दौर से मुद्रित एवं 268/2, मालवीय नगर, प्रेस कॉम्प्लेक्स के पीछे इन्दौर से प्रकाशित, संपादक-नितिन इंगले मो. 78289 18123, प्रबंध संपादक-संजयसिंह शिन्दे मो: 8818811336 सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा।